राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 154 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, गुरूवार, 16 दिसम्बर 2021 मूल्य: 1.50/-

हेलिकॉप्टर क्रैश में घायल बचे ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का कमांड अस्पताल में निधन

पीएम सहित राष्ट्रपति, उपराष्ट्रति और कांग्रेस अध्यक्ष ने जताया दुख

बेंगलुरु, एजेंसी। तमिलनाडु में कुन्नूर के पास हेलीकॉप्टर हादसे में मात्र जीवित बचे वायुसेना के ग्रुप कैप्टन वरूण सिंह का निधन हो गया। वरूण सिंह का बेंगलुरु के सैन्य अस्पताल में इलाज चल रहा था और कल रात से ही उनकी स्थिति नाजुक थी। गौरतलब है कि कन्नूर में हेलीकॉप्टर क्रैश में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल विपिन रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्य कर्मियों की जान गई थी। दुर्घटना के बाद ग्रुप कैप्टन को गंभीर रूप से झुलस जाने की वजह से वेलिंगटन के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पिछले गुरुवार को ग्रुप कैप्टन सिंह को वेलिंगटन से बेंगलुरु के कमांड अस्पताल में स्थानांतरित किया गया था।

12 अक्टूबर 2020 को रक्षा मंत्रालय ने बयान के जरिये सभी को चौंका दिया। बयान में कहा गया कि विंग कमांडर वरुण सिंह एलसीए तेजस की चेक स्योरिटी प्रफॉर्म कर रहे थे जहां पर उन्हें एक सिस्टम चेक शॉट देना था। जब उन्होंने टेक ऑफ किया, तब सबकुछ नॉर्मल रहा।लेकिन 10 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद अचानक फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम और लाइफ सपोर्ट सिस्टम में कुछ गड़बड़ी दिखने लग गई।इसके बाद इन्होंने तुरंत एयरक्रॉफ्ट को हाई अल्टीट्यूड से लो अल्टीट्यूड पर लेकर आए। लेकिन तभी फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम पूरी तरह से फेल हो गया। वरुण सिंह के पास दो ऑपस्न थे एक या तब वहां इजेक्ट कर जाए या भीड़ वाले इलाके में विमान को गिरने से बचाए। अपनी जान की परवाह न करते हुए वरुण ने काफी कोशिश के बाद एयरक्रॉफ्ट को लैंड करवाया। उन्हें यह सम्मान 2020 में एक हवाई आपातकाल के दौरान अपने एलसीए तेजस लड़ाकू विमान को बचाने के लिए मिला था।

प्रधानमंत्री ने ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के निधन पर शोक जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुन्नूर के पास हुए हेलीकॉप्टर हादसे में घायल हुए ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के निधन पर बुधवार को शोक जताकर कहा कि उन्होंने देश की जो सेवा की, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस हादसे में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल विपिन रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्य कर्मियों की जान चली गई थी। वहीं कैप्टन वरुण सिंह के निधन पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया और राहुल गांधी ने भी दुख जाहिर किया।

गाजीपुर बॉर्डर को आंदोलनकारी किसानों ने किया खाली, टिकैत ने सभी को धन्यवाद कहा

गाजियाबाद, एजेंसी। दिल्ली से सटे गाजीपुर बॉर्डर के पास दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर पिछले एक साल से अधिक समय से डेरा डाले आंदोलनकारी किसान बुधवार को धरना स्थल को पूरी तरह खाली करके घर लौट रहे हैं।इस दौरान प्रदर्शनकारी किसान खुशी में झूमते नजर आए हैं। वहीं आंदोलन का नेतृत्व कर रहे किसाग संगठनों में शामिल भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा, मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने आंदोलन में हमारा साथ दिया। हमारे लिए लंगर चलाने वाले और जरूरी सामान लाने वाले गांववालों का भी आभार व्यक्त करता हूं।इसके साथ ही उन्होंने कहा कि तीन कृषि कानूनों की वापसी के बाद केंद्र के साथ हमारी बातचीत चल रही है।हमारा आंदोलन स्थगित हुआ है, खत्म नहीं।

दरअसल ये किसान केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ गाजीपुर सहित सिंघू और टिकरी बॉर्डर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। हालांकि केंद्र द्वारा इन कानूनों को वापस लिए जाने के बाद किसान संगठनों ने भी अपना आंदोलन भी खत्म करने का ऐलान कर दिया और लगभग सारे किसान अपने घरों को लौट चुके हैं। सिंघू बॉर्डर पर लगे लगभग सारे बैरिकेड्स मंगलवार को हटा दिए गए थे, वहीं टिकरी बॉर्डर (रोहतक रोड) पर भी सड़क को साफ कर इस वाहनों की आवाजाही के लिए पूरी तरह खोल दिया गया है। लेकिन गाजीपुर बॉर्डर पर कुछ किसान एकत्र थे। बताया जा रहा है कि इन किसानों के घर लौट जाने के बाद विरोध स्थल को बुधवार को साफ किए जाने की उम्मीद है।

इसके पहले दिल्ली पुलिस का कहना था कि कुछ किसान गाजीपुर बॉर्डर पर जमे हैं, जिसके कारण अभी वहां से बैरियर्स हटाए नहीं गए हैं। वहीं किसान नेताओं का कहना है कि गाजीपुर धरना स्थल पर प्रदर्शनकारियों का बस एक छोटा जत्था बचा है, जो राकेश टिकैत के साथ वापस लौट जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन से नोएडा लौटे 5 यात्री कोविड- 19 पॉजिटिव मिलने से हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में तेजी से बढ़ते कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे के बीच दिल्ली से सटे नोएडा में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या एक बार फिर बढ़ने लगी है। यहां विदेश से लौटे पांच व्यक्ति आरटीपीसीआर जांच में कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। गौतमबुद्धनगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ सुनील शर्मा ने बताया कि हाल ही में ब्रिटेन से गौतमबुद्धनगर पहुंचे कम से कम पांच व्यक्ति कोविड-19 पॉजिटिव मिले हैं। डॉ सुनील शर्मा ने कहा कि ह्यजोखिम वाले देशों में से एक ब्रिटेन और सिंगापुर से गौतमबुद्धनगर पहुंचे पांच व्यक्तियों का कोरोना टेस्ट किया गया था, जिसमें उनकी रिपोर्ट कोविड-19 पॉजिटिव आई है। शर्मा ने कहा कि अब तक गौतमबुद्धनगर प्रशासन को लगभग 4,729 लोगों की सूची मिली है, जो विदेश से लौटे हैं, जिनमें 1,101 'जोखिम वाले' देशों से हैं। बताया जा रहा है संक्रमित मिले मरीजों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य विभाग इन सभी पर नजर बनाए है। प्रशासन संक्रमित पाए गए लोगों के सैंपल जीनोम सिक्वेंसिंग जांच के लिए भेजेगा।

सीजेआई कानूनी क्षेत्र में महिलाओं के बहुत कम प्रतिनिधित्व से निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति एनवी रमण ने कानूनी क्षेत्र के सभी स्तरों पर महिलाओं के 'अत्यंत कम' प्रतिनिधित्व पर मंगलवार को अफसोस जताया और वादा किया कि वह अपने कॉलेजियम सहयोगियों के साथ पीठ में 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं के प्रतिनिधित्व की मांग को उठाएंगे। न्यायमूर्ति रमण ने सीजेआई होने के दबाव का जिक्र करते हुए कहा, 'बहन हिमा कोहली ने चिंता के साथ मुझसे पूछा कि क्या मैं तनाव में हूं। हां, मैं तनाव में हूं। प्रधान न्यायाधीश बनना तनावपूर्ण है। मैं इससे बच नहीं सकता। मुझे इससे निपटना होगा।' सीजेआई ने न्यायमूर्ति हिमा कोहली के पदोन्नत होकर उच्चतम न्यायालय में पहुंचने पर उनके सम्मान में आयोजित समारोह में कहा कि जब उन्होंने कार्ल मार्क्स के संशोधित उद्धरण का उपयोग करके महिलाओं को अपने लिए अधिक प्रतिनिधित्व की मांग करने के लिए कहा था, तब उन पर 'क्रांति भड़काने' का आरोप लगाया गया था। उन्होंने यहां महिला वकीलों की सभा को आश्वासन दिया कि पीठ में महिलाओं के 50 प्रतिशत से अधिक प्रतिनिधित्व की मांग पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ह्यह्यमैं कॉलेजियम में अपने भाइयों के समक्ष आपकी मांग को उठाने का वादा करता हूं।

लखीमपुर हिंसा पर सदन में जोरदार हंगामा 12 निलंबित सांसदों को मांगनी चाहिए माफी: पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के दोनों सदनों में विपक्ष लगातार हंगामा कर रहा है, जिस वजह से सदन कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ रही है। केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा में नेता सदन पीयूष गोयल ने राज्यसभा की कार्यवाही को सुचारू रूप से नहीं चलने देने का आरोप विपक्षी दलों पर लगाया है। उन्होंने कहा कि सदन की गरिमा, सुरक्षाकर्मियों की इज्जत और गरिमा को बचाने के लिए निलंबित 12 सांसदों को अपने व्यवहार के लिए प्रायश्चित जता कर माफी मांगनी चाहिए और उसके बाद सदन में आकर कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए।विपक्ष को मुद्दाविहीन बताते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि आज लोकसभा में महंगाई और राज्यसभा में ओमिक्रोन के महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा होनी थी लेकिन विरोधी दलों के पास कोई मुद्दा नहीं है। उनके पास सरकार की आलोचना करने के लिए और जनता की समस्या उठाने के लिए कोई विषय ही नहीं है, कोई इच्छा नहीं है।

लखीमपुर खीरी हिंसा पर एसआईटी रिपोर्ट के मामले में लोकसभा में नहीं बोलने देने के राहुल गांधी के आरोप पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री और राज्य सभा में नेता सदन पीयूष गोयल ने कहा कि लखीमपुर खीरी मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो रही है। राहुल गांधी के स्थगन प्रस्ताव के नोटिस और सदन में नहीं बोलने देने के आरोप पर जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह मामला न्यायालय के विचाराधीन है और न्यायालय के अंतर्गत विचाराधीन मामले पर सदन में चर्चा नहीं होती है। दरअसल, लखीमपुर हिंसा मामले को लेकर कांग्रेस ने सख्त तेवर दिखाते हुए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव में कांग्रेस ने केंद्रीय गृह राज्य अजय कुमार मिश्रा टेनी को हटाने की मांग की है। लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव को राहुल गांधी ने पेश किया है। राहुल गांधी ने कहा कि अजय कुमार मिश्रा का बेटा लखीमपुर खीरी कांड का गुनहगार है।

जोखिम वाले देशों से आ रहे यात्रियों को आरटी-पीसीआर जांच की बुकिंग अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि 20 दिसंबर से छह बड़े हवाई अड्डों पर 'जोखिम वाले' देशों से पहुंच रहे यात्रियों को पहले से ही अनिवार्य तौर से आरटी-पीसीआर जांच बुक करानी होगी। हालांकि उसने स्पष्ट किया कि यदि किसी व्यक्ति को जांच की पूर्व बुकिंग में कोई दिक्कत होती है तो उसे विमान में चढ़ने से नहीं रोका जाना चाहिए। ये छह हवाई अड्डे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 'जोखिम वाले देशों' में ब्रिटेन समेत यूरोप के देश, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, तंजानिया, हांगकांग, चीन, घाना, मॉरीशस, न्यूजीलैंड और इजराइल हैं।

जारी किये गये आदेश में नागर विमानन मंत्रालय ने कहा, 'यदि यात्री जोखिम वाले देशों से आ रहे हैं या उन्होंने पिछले 14 दिनों में इन देशों की यात्रा की है तो उनके वास्ते अनिवार्य तौर पर आरटीपीसीआर जांच बुक कराने के लिए एयर सुविधा पोर्टल में बदलाव किया जाएगा।' उसने कहा कि जब यात्री स्व-घोषणा प्रपत्र भरेंगे तब उन्हें एयर सुविधा मंच पर हवाई अड्डा वेबसाइट से जुड़ा एक लिंक नजर आयेगा। उसने कहा, 'व्यवस्था को स्थिर बनाने एवं यह सुनिश्चित करने कि यात्रियों को प्रीबुकिंग, भुगतान आदि में दिक्कत न हो, इसे पहले चरण में छह शहरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में लागू किया जा सकता है। उसने कहा कि यात्रियों की सहूलियत के लिए एक हफ्ते का समय दिया गया है। इसका मतलब है कि यह नयी व्यवस्था 20 दिसंबर को प्रभाव में आ जायेगी।

अजय मिश्रा को करें बर्खास्त, डबल इंजन सरकार ने जनता को किया निराश: अखिलेश

नई दिल्ली, एजेंसी। लखीमपुर हिंसा को लेकर अब विपक्ष जमकर बीजेपी को घेर रहा है। समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे पर बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते हैं, बीजेपी धार्मिक चश्मा पहनती है और धर्म के आधार पर सब कुछ देखती है। बीजेपी को अपने गृह राज्य मंत्री (अजय मिश्रा) को निलंबित कर देना चाहिए।' अखिलेश ने कहा कि यूपी की जनता को दुख मिला है। किसान दुखी हैं। जनता को डबल इंजन सरकार ने निराश किया है। बीजेपी के पास सुविधा है स्टेटमेंट ट्विस्ट करने की। आखिरी समय में बनारस में हैं वाले बयान पर उन्होंने कहा, आखिरी समय में कोई नहीं बचा सकता। गठबंधन में सब साथ हैं। साथ बैठे हैं। सब बदलाव चाहते हैं। अपने समाज के लिए काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, गठबंधन के साथी को लेकर स्टेटमेंट को ट्विस्ट करने का काम बीजेपी करती है। पिछड़ों ने बीजेपी के लिए दरवाजा खोला था। उन्होंने अब बंद कर लिए हैं।

अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा था कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की मजबूरी के कारण तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लिया गया, क्योंकि नाराज किसान बीजेपी के खिलाफ खड़े होने की तैयारी कर रहे थे। समाजवादी विजय यात्रा लेकर निकले सपा प्रमुख यादव ने कहा था कि किसानों की आय दोगुनी करने के बीजेपी के चुनावी वादे के विपरीत उनकी कमाई वास्तव में आधी हो गई है जबकि मुद्रास्फीति दोगुनी हो गई है। अखिलेश ने कहा कि अगर किसानों ने कोविड महामारी के दौरान अपने खेतों में काम नहीं किया होता तो अर्थव्यवस्था चरमरा जाती। इससे पहले समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनावों से पहले जौनपुर में शक्ति प्रदर्शन किया। अखिलेश यादव ने कहा कि अभी चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ लेकिन ये जनसमर्थन बता रहा है कि बदलाव होगा। मैं धन्यवाद करता हूं जनता का कि उन्होंने हमें ऐसा जनसमर्थन दिया है. उत्तर प्रदेश में इसी तरह से समाजवादी विजय रथ चलेगा।

दिल्ली स्पेशल पुलिस स्थापन संशोधन बिल को राज्यसभा की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा ने मंगलवार को दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन संशोधन विधेयक 2021 को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी जिसमें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक के कार्यकाल को एक बार में एक वर्ष बढ़ाने और पांच वर्ष की अवधि तक उसे विस्तार दिए जाने का प्रावधान है। अभी तक सीबीआई निदेशक के कार्यकाल की सीमा दो वर्ष थी। राज्यसभा में 'दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन (संशोधन) विधेयक, 2021' पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा कि हमारे देश की सवा सौ करोड़ से अधिक की आबादी को देखते हुए यह विधेयक अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सीबीआई की इतनी विश्वसनीयता है कि बड़े मामलों की जांच इस एजेंसी को देने की मांग की जाती है। जितेन्द्र सिंह ने कहा कि यह धारणा न जाने कहां से फैल गई कि सीबीआई प्रमुख का कार्यकाल बढ़ाया जा रहा है। ऐसा नहीं है। सीबीआई प्रमुख का कार्यकाल सीमित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीबीआई, सीवीसी जैसी संस्थाओं को उच्च गरिमा के स्थान पर रखा है और इन संस्थाओं का स्वतंत्र रूप से कामकाज सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अभी तक कानून में कार्यकाल के संबंध में केवल न्यूनतम सीमा तय थी और कार्यकाल को लेकर कोई अधिकतम सीमा तय नहीं की गई थी, हमने इसकी सीमा पांच वर्ष तय कर दी है। हर साल कार्यकाल बढ़ाने के समय पूरे कारण बताए जाएंगे। यह मनमाने तरीके से नहीं होगा। सिंह ने कहा कि ऐसे भी उदाहरण हैं कि किसी मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई है और वह जांच बहुत लंबे समय तक चली है। कई देशों में जांच एजेंसी के प्रमुख का कार्यकाल तय है और कहीं नहीं भी है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में जब हम जांच एजेंसी के प्रमुख का कार्यकाल तय कर रहे हैं तो इसके बारे में भ्रामक बातें फैलाई जा रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसी भी देश की ऐसी एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों के कार्यकाल की सीमा दो वर्ष नहीं है। उन्होंने कहा कि सीबीआई, ईडी के निदेशकों का चयन शीर्ष स्तर की समिति करती है, ऐसे में अगर ऐसी समिति की बुद्धिमता पर भरोसा नहीं होगा, तब कौन फैसला करेगा। जितेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्तमान सरकार के सात साल पूरे हो गए हैं, लेकिन एक भी मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है।

भाजपा से मुकाबले के लिए एकजुटता जरूरी, पवार को सौंपी जा सकती है ममता को मनाने की जिम्मेदारी

सोनिया गांधी के आवास पर हुआ विपक्षी दलों का मंथन

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में विपक्षी एकता को मजबूत करने के लिए कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक हुई। बैठक में सभी विपक्षी दलों के नेता मौजूद रहे, टीएमसी सुप्रीमो ममता बैनर्जी आमंत्रित नहीं की गई थीं। विपक्षी दलों की यह अहम बैठक अगले माह देश के पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए विपक्ष की एकता पर ही केंद्रित रही। बैठक में वक्ताओं ने इस मुद्दे पर ममता बनर्जी को समझाने का प्रयास करने का सुझाव दिया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि जिस राज्य में जिस विपक्षी दल का ज्यादा प्रभाव है, उसे ही नेतृत्व सौंपा जाए। बैठक में एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार, नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष फारुख अब्दुल्ला, शिवसेना नेता संजय राउत, डीएमके सांसद टीआर बालू, कांग्रेस के नेता मलिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल, और राहुल गांधी जैसे नेताओं ने हिस्सा लिया।

बैठक के बाद शिवसेना सांसद संजय राउत ने बताया कि बैठक में विपक्ष की एकजुटता पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा संसद में चल रही कार्यवाही पर भी हमने चर्चा की, हम माफी नहीं मांगेंगे। विपक्ष की एकता पर हमने बात की और हम राज्यों में मिलकर काम करेंगे। बैठक के बाद डीएमके सांसद टीआर बालू ने कहा, हमने राज्यसभा से सांसदों के निलंबन पर चर्चा की। वहीं, फारुख अब्दुल्ला ने बताया कि हमने राष्ट्र की वर्तमान स्थिति के बारे में चर्चा की। हमने यह समझने की कोशिश की कि हम कैसे एक साथ काम करते हुए राष्ट्रहित में कैसे आगे बढ़ सकते हैं।

सोनिया गांधी के आवास पर हुई बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई की ममता बनर्जी को संयुक्त विपक्ष के साथ आने के लिए समझाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में टीएमसी नेता ममता बैनर्जी, कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठन (यूपीए) के स्थान पर विपक्षी दलों का एक नया गठबंधन बनाने का प्रयास कर रही हैं। इस वजह से कांग्रेस से उनके रिश्ते तल्ख हो गए हैं।

विभिन्न क्षेत्रीय दलों का समर्थन हासिल करने के लिए ममता इन दिनों देश के विभिन्न राज्यों का दौरा कर अपने नेतृत्व वाले विपक्षी धड़े को समर्थन देने का आग्रह कर रही हैं। पिछले दिनों मुंबई में शरद पवार से मिलने के बाद उन्होंने कहा था कि अब कोई यूपीए नहीं है। उन्होंने सीधे तो नहीं, लेकिन इशारों में स्पष्ट कर दिया था कि अब वह अब कांग्रेस के बिना विपक्षी दलों के बीच एकता बनाने का प्रयास कर रही हैं। विपक्षी दल ममता के बगावती तेवरों से चिंता में पड़ गए हैं। उनका मानना है कि भाजपा से मुकाबले के लिए संयुक्त विपक्ष की जरूरत है, इसमें ममता बैनर्जी के तेवर बाधा बन रहे हैं। बैठक में कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि ममता बनर्जी को वास्तविक स्थिति समझाने का प्रयास किया जाए। सूत्रों के मुताबिक, विपक्ष का कोई बड़ा नेता जल्द ही ममता बनर्जी से इस मुद्दे पर बातचीत कर सकता है। सूत्रों के अनुसार शरद पवार को यह जिम्मेदारी दी जा सकती है।

पीएम किसान की 10वीं किस्त आ सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम किसान सम्मान निधि की 10वीं किस्त कब आएगी? आजकल गांव की चौपालों, चाय-पान की दुकानों में किसानों के बीच आम है। पहले लोगों को लगता था कि दिसंबर-मार्च की किस्त 15 दिसंबर को आएगी, लेकिन अभी तक एफटीओ जेनरेट नहीं होने से मामला लटका है। वहीं, अब यह कयास लगाए जा रहें हैं, कि 10वीं किस्त पीएम नरेंद्र मोदी 16 दिसंबर को जारी कर सकते हैं। कयास के पीछे एक वजह भी है। दरअसल पीएम नरेंद्र मोदी अपने फैसलों से चौंकाते हैं। वह गुजरात सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती के तौर-तरीकों पर आयोजित एक कृषि कार्यक्रम के समापन समारोह को 16 दिसंबर को ह्यऑनलाइनह्ण संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में करीब 5,000 किसानों के भाग लेने की संभावना है। ऐसे में संभावना व्यक्त की जा रही है कि गुरुवार को पीएम किसान के पैसे किसानों के खाते में डाले जा सकते हैं।

हालांकि, अभी तक सरकार की तरफ से कोई डेट निश्चित नहीं की गई है। पिछले साल 25 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी ने किसानों के खातों में पैसे भेजे थे। उस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान सम्माम निधि योजना के तहत 18 हजार करोड़ रुपए जारी किए। पीएम किसान योजना की किस्त के तौर पर देश के करीब नौ करोड़ से अधिक किसानों के खाते में 18 हजार करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए।

इसके बाद 31 मार्च 2021 तक इस किस्त के तहत 10,23,49,443 लाभार्थियों के खातों में पैसा पहुंच चुका है। बता दें पीएम किसान सम्मान निधि के तह केंद्र सरकार हर साल 6000 रुपये 2000-2000 की तीन किस्तों में किसानों के खाते में डायरेक्ट ट्रांसफर करती है। अब तक सरकार 9 किस्तें जारी कर चुकी है और इस योजना में 12 करोड़ से अधिक रजिस्टर्ड किसानों को इंतजार है। इस बार पीएम किसान सम्मान निधि योजना में एक बड़ा बदलाव किया गया है। किसानों को इ-केवाइसी करना होगा।

ड्रोन हमले में किसी भी सैनिक को सजा नहीं देगा अमेरिका, मारे गए थे 10 अफगान नागरिक

वाशिंगटन। अफगानिस्तान में हुए ड्रोन हमले और 10 अफगान नागरिकों की मौत की सजा अमेरिका अपने सैनिकों को नहीं देगा। न्यूज एजेंसी एएफपी ने पेंटागन के हवाले से लिखा है कि वह ड्रोन हमले में अफगान नागरिकों की मौत की सजा अमेरिका किसी भी सैनिक को देने नहीं जा रहा है। अमेरिका की ओर से इस ड्रोन हमले की जांच के बाद पेंटागन ने कहा था कि इस हमले में किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं किया गया था। हालांकि, दस अफगान नागरिकों की मौत एक दुखद गलती थी और यह हमला पुष्टिकरण पूर्वाग्रह और संचार टूटने के साथ संयुक्त निष्पादन त्रुटियों का परिणाम था। भले ही अमेरिका इस ड्रोन हमले में किसी भी कानून का उल्लंघन न होने की बात कहता हो, लेकिन वह अफगान नागरिकों को मुआवजा देने के लिए तैयार है। पिछले दिनों पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी का बयान सामने आया था, उन्होंने कहा था कि, अमेरिका ड्रोन स्ट्राइक में मारे गए अफगान नागरिकों के मृतकों को मुआवजा देने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही अमेरिका लाए गए अफगानियों की मदद के लिए अमेरिकी रक्षा विभाग और विदेश मंत्रालय साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

ब्लिंकन ने कहा-हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन से मुकाबले के लिए सैन्य ताकत बढ़ाएगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री ने एंटनी ब्लिंकन ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका एशिया के अपने साझेदारों के साथ सैन्य और आर्थिक संबंधों का विस्तार करेगा ताकि चीन की हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती आक्रमकता का मुकाबला किया जा सके। ब्लिंकन ने कहा कि (राष्ट्रपति जो) बाइडेन प्रशासन क्षेत्र में शांति और समृद्धि कायम रखने को लेकर प्रतिबद्ध है और वह अमेरिका के गठबंधन को मजबूत कर, नए साझेदार बना कर और अमेरिकी सैन्य की प्रतिस्पर्धी बढ़त को कायम कर यह सुनिश्चित करेगा। उन्होंने हिंद प्रशांत को लेकर प्रशासन की योजना को रेखांकित करते हुए इंडोनेशिया में कहा, '' खतरा मंडरा रहा है, हमारी सुरक्षा तैयारी उसके ईर्द-गिर्द है। यह करने के लिए हम अपनी सबसे बड़ी ताकत की ओर झुकेंगे जो हमारा गठबंधन और साझेदारी है।' ब्लिंकन ने कहा, ''हम ऐसी रणनीति अंगीकार करेंगे जो हमारी राष्ट्रीय ताकत- कूटनीति, सैन्य, खुफिया सूचना- को हमारे साझेदारों और सहयोगियों के साथ लाती है।' उन्होंने कहा कि इसमें अमेरिकी और एशियाई रक्षा उद्योग को जोड़ना, आपूर्ति श्रृंखला को एकीकृत करना और प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष में सहयोग करना शामिल है।

कनाडा ने सैन्य यौन दुर्व्यवहार के पीड़ितों से मांगी माफी

ओटावा। कनाडा के राजनीतिक और सैन्य नेताओं ने सेना के यौन दुर्व्यवहारों के पीड़ितों से माफी मांगी। राष्ट्रीय रक्षा मुख्यालय से ऑनलाइन प्रसारित हुए कार्यक्रम में संघीय सरकार ने सशस्त्र बलों के उन हजारों मौजूदा और पूर्व सदस्यों को 46.8 करोड़ डॉलर की धनराशि देने की घोषणा की जिन्हें सेवा में रहते हुए ऐसे व्यवहार का सामना करना पड़ा। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार और सैन्य नेतृत्व को सेना के कुछ शीर्ष नेताओं के बीच आपराधिक यौन दुर्व्यर्वहार के आरोपों से निपटने में नाकामी को लेकर सवालों तथा आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। रक्षा मंत्री अनिता आनंद की अगुवाई में 40 मिनट तक प्रसारित कार्यक्रम में माफी मांगी गयी। इस कार्यक्रम को एक वक्त में करीब 8,000 लोगों ने देखा। उन्होंने कहा, ''मैं उन हजारों कनाडाई लोगों से माफी मांगती हूं जिन्हें इसलिए नुकसान पहुंचाया गया क्योंकि आपकी सरकार ने आपकी रक्षा नहीं की और न ही हमने यह सुनिश्चित किया कि न्याय तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सही व्यवस्था स्थापित हो। आपकी सरकार सेना तथा विभाग में यौन शोषण, यौन उत्पीड़न और लिंग के आधार पर भेदभाव से निपटने के प्रयासों में विफल रही।' रक्षा मंत्री ने कहा, ''चीजें बदल सकती हैं, वे बदलनी चाहिए और वे बदलेंगी।' आनंद ने शीर्ष सैन्य अधिकारियों के बीच ऐसे दुर्व्यवहार से निपटने के लिए ज्यादा कुछ न करने पर आलोचनाओं का शिकार बने हरजीत सज्जान के स्थान पर अक्टूबर में रक्षा मंत्री का पद संभाला।

चीन को मिला मौका: बांग्लादेश-अमेरिका के रिश्तों में फंसा लोकतंत्र और मानवाधिकारों का कांटा

ढाका। मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन के मुद्दे पर बांग्लादेश और अमेरिका के संबंध में पेच खड़ा होता दिख रहा है। अमेरिका ने पिछले हफ्ते बांग्लादेश के अर्ध सैनिक बल- रैपिड एक्शन बटालियन के सात पूर्व और वर्तमान अधिकारियों पर मानवाधिकार हनन के आरोप में प्रतिबंध लगा दिए थे। इस अमेरिकी कदम से बांग्लादेश बहुत आहत हुआ है। उसने इस पर नाराजगी भरी प्रतिक्रिया जताई है। इस बीच परोक्ष रूप से चीन भी इस विवाद में कूद पड़ा है।

अमेरिकी आरोप कल्पनाओं पर आधारित

अमेरिकी आरोप पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए बांग्लादेश के संसदीय कार्य मंत्री अनीसुल हक ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश पर मानवाधिकारों के हनन के अमेरिकी आरोप उसकी कल्पनाओं पर आधारित हैं। उन्होंने अमेरिकी कदम को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा- 'रैपिड एक्शन बटालियन के सात पूर्व और मौजूदा अधिकारियों पर अमेरिकी प्रतिबंध दुर्भाग्यपूर्ण हैं। जो लोग कानून के राज और लोकतंत्र में भरोसा करते हैं, उन पर यह जिम्मेदारी होती है कि वे उचित प्रक्रियाओं का पालन करें और आरोपी व्यक्तियों के अपने बचाव में दी गई दलीलों को सुनें। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने बिना बचाव का मौका दिए अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिए।' अनीसुल हक ने कहा- 'मैं एक बात साफ कह देना चाहता हूं कि रैपिड एक्शन बटालियन और अन्य एजेंसियों पर लगे आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। ये तमाम आरोप काल्पनिक हैं। बांग्लादेश में कानूनी प्रक्रिया से बाहर कोई हत्या नहीं की गई है।'

चीन ने की बांग्लादेश की तारीफ

इस बीच ढाका स्थित चीन के

राजदूत ली जिमिंग ने बांग्लादेश के लोकतंत्र की तारीफ की है। उन्होंने 'लोकतांत्रिक देशों का शिखर सम्मेलन' आयोजित करने के लिए अमेरिका की कड़ी आलोचना की। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जिन देशों को इस सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किया, उनमें बांग्लादेश भी है। इसी बीच अमेरिका ने बांग्लादेश के अधिकारियों पर प्रतिबंध भी लगा दिए हैं। पर्यवेक्षकों का कहना है कि चीन इससे बांग्लादेश में पैदा हुई नाराजगी का फायदा उठाने की कोशिश में है।

यहां जारी एक वीडियो संदेश में ली ने कहा कि अमेरिका ने अपने इस सम्मेलन से आधी दुनिया को बाहर रखा। उन्होंने कहा कि इस अमेरिकी रवैये से उसके इरादे को लेकर कुछ जायज सवाल उठे हैं। इनमें एक अहम सवाल यह है कि क्या अमेरिका को लोकतंत्र की परिभाषा करने का हक है? उन्होंने पूछा कि आखिर किसी देश के लोकतंत्र का मूल्यांकन करने का पैमाना क्या है?चीनी राजदूत ने कहा कि बांग्लादेश ने सामाजिक-आर्थिक विकास और लोकतंत्र की दिशा में बड़ी प्रगति की है। उन्होंने कहा- एक देश, जिसकी सरकार को वहां की जनता का व्यापक समर्थन हासिल हो, अगर उसे लोकतंत्र नहीं समझा जाता है, तो फिर लोकतंत्र की परिभाषा फिर से तय करने की जरूरत है।

लेकिन चीनी राजदूत के इस बयान से बांग्लादेश का प्रमुख विपक्षी दल- बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) भड़क गया है। उसने इसे बांग्लादेश के मामलों में अवांछित टिप्पणी बताया है। पार्टी के महासिचव रुहुल कबीर रिजवी ने एक बयान में कहा- 'चीनी राजदूत के बयान से बीएनपी को सदमा पहुंचा है और वह गुस्से में है।' उन्होंने कहा कि चीनी राजदूत के बयान से ऐसा लगा कि वे वर्तमान सरकार का समर्थन कर रहे हैं।

चेतावनी: ब्रिटेन में अप्रैल के अंत तक ओमीक्रोन से 75000 लोगों की हो सकती है मौत !

लंदन। ब्रिटेन में यदि अतिरिक्त नियंत्रण के उपाय नहीं किए गए तो अगले साल अप्रैल तक कोरोना वायरस के नये स्वरूप ओमीक्रोन से 25,000 से 75,000 लोगों की मौत हो सकती है। यह चेतावनी मॉडलिंग पर आधारित एक अध्ययन में दी गयी है। अध्ययन से पता चलता है कि ओमीक्रोन में इंग्लैंड में संक्रमण की लहर पैदा करने की क्षमता है। यह जनवरी 2021 के दौरान बड़े पैमाने पर हुए संक्रमण और अस्पताल में दाखिल कराने के मामलों की तुलना में उच्च स्तर तक पहुंच सकता है। इस अध्ययन की विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा अभी बाकी है। इस अध्ययन के लिए 'लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन' (एलएसएचटीएम) के अनुसंधानकर्ताओं ने ओमीक्रोन के एंटीबॉडी से संबंधित नवीनतम प्रयोगात्मक डेटा का इस्तेमाल

किया है। सबसे आशावादी परिदृश्य के तहत, संक्रमण की एक लहर की आशंका व्यक्त की गयी है, जिसके तहत प्रतिदिन अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों का आंकडा 2,000 से अधिक पहुंच सकता है। इस परिदृश्य के तहत, यदि नियंत्रण के अतिरिक्त उपाय नहीं किया जाता तो एक दिसंबर, 2021 से 30 अप्रैल, 2022 के बीच अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 1,75,000 और काल-कवलित होने वालों की संख्या 24,700 तक पहुंच सकती है। इस परिदृश्य में, 2022 की शुरुआत में इनडोर आतिथ्य पर प्रतिबंध, कुछ मनोरंजन स्थलों को बंद करने और लोगों के जमा होने की संख्या तय करने जैसे उपायों से अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में 53,000 की और मौतों की संख्या में 7,600 की कटौती हो सकती है। एलएसएचटीएम की रोसन्ना बर्नार्ड ने कहा, ''ओमीक्रोन की विशेषताओं के बारे में बहुत अनिश्चितता है, और क्या इंग्लैंड में ओमीक्रोन उसी रास्ता को अख्तियार करेगा जैसा कि दक्षिण अफ्रीका में इसने किया है।'

टीकाकरण न कराने वाले यात्रियों के पहुंचने पर विमानन कंपनियों को जुर्माना लगाएगा ये देश

वाशिंगटन। घाना कोविड-19 के खिलाफ पूर्ण टीकाकरण कराए बिना देश आने वाले हर यात्री के लिए विमानन कंपनियों से 3,500 डॉलर जुर्माना वसूलेगा। सरकारी 'घाना एयरपोर्ट कंपनी' ने घोषणा की कि विमानन कंपनियों से हर उस यात्री के आने पर भी समान जुर्माना वसूला जाएगा, जिसने कोटोका अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा आने के लिए विमान में सवार होने से पहले स्वास्थ्य संबंधी घोषणा पत्र नहीं भरा होगा। हवाई अड्डा प्राधिकरण ने घोषणा की कि हालांकि घाना के नागरिकों को अनिवार्यताएं पूरी किए बिना देश में प्रवेश की अनुमति होगी और उन्हें 14 दिन पृथक-वास में रहना होगा, लेकिन विदेशियों को प्रवेश देने से इनकार किया जा सकता है। इससे एक दिन पहले घाना ने 18 साल से अधिक सभी यात्रियों के लिए पूर्ण टीकाकरण के साक्ष्य मुहैया कराना अनिवार्य कर दिया था। उसने कहा कि हालिया दो सप्ताह में देश में सामने आए संक्रमण के कुल मामलों में से 60 प्रतिशत मामले हवाई अड्डे पर पाए गए हैं। महामारी की शुरुआत से अब तक घाना में 1,32,000 लोग संक्रमित पाए गए हैं और 1,243 लोगों की मौत हो गई है।

गरीब प्रवासी महिलाओं के लिए मुसीबत बना नया कानून, अविवाहित माताओं के बच्चों का भविष्य अंधेरे में

यूएई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने बीते वर्ष नवंबर में शादी से पहले शारीरिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से हटा दिया। हालांकि, इस फैसले के एक वर्ष बाद भी तमाम बिन ब्याही माएं बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए भटक रही हैं। बहरहाल, दो सप्ताह में लागू होने वाले एक नए कानून में अविवाहित महिलाओं के बच्चों के लिए जन्म प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बारे में कोई उपाय नहीं किया है, जबकि कानून इसके अभाव में बच्चे रखने पर महिलाओं को अपराधी घोषित करता है। बच्चों के लिए जन्म प्रमाणपत्र प्राप्त करना एक महंगी प्रक्रिया है, गरीब लोग, खासतौर पर विदेशी घरों या दफ्तारों में मामूली वेतन पर काम करते हैं, वे इस खर्च उठाने में असमर्थ होते हैं। दिसंबर 2020 में शारजाह सेंट्रल जेल से तीन महीने की बेटी के साथ रिहा हुई स्टार ने बताया कि वह और छह अन्य अविवाहित महिलाएं जेल में बंद थीं, जिनमें से ज्यादातर फिलिपींस की थीं। स्टार ने बताया कि कैद के दौरान उनसे बेटी को छीन लिया गया था। 15 महिलाओं को एक बाथरूम साझा करना होता था, खाने में केवल चावल और रोटी मिलती थीं। महज 30 मिनट कोठरी से बाहर निकलने दिया जाता था। पुलिस अपमानजनक तरीके से बच्चे के जन्म व शारीरिक संबंधों की पूछताछ करती थी। यूएई में अस्पताल विवाहित माता-पिता को जन्म प्रमाणपत्र जारी करते हैं। प्रमाण पत्र के बिना बच्चों के लिए चिकित्सा व शिक्षा जैसी सुविधाएं हासिल करने में दिक्कतें होती हैं।

सुनामी की चेतावनी जारी: भूकंप के तेज झटकों से कांपा इंडोनेशिया, रिक्टर स्केल पर 7.7 रही तीव्रता

जकार्ता। इंडोनेशिया में मंगलवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने कहा कि मंगलवार को इंडोनेशिया में मौमेरे से 95 किमी उत्तर पूर्वी नुसा तेंगारा में रिक्टर पैमाने पर 7.7 तीव्रता का भूकंप आया है जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। मौसम विभाग ने बताया कि भूकंप का केंद्र पांच किलोमीटर की गहराई पर था। ताजा जानकारी के अनुसार अभी किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले भी पांच दिसंबर को इंडोनेशिया के टोबेलो से 259 किमी की दूरी पर उत्तर दिशा में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 6.0 दर्ज की गई थी।

जानिए क्या है सुनामी

सुनामी शब्द जापानी भाषा के 'सु' तथा 'नामी' से लिया गया है। 'सु' का शाब्दिक अर्थ समुद्रतट या बंदरगाह होता है वहीं नामी का मतलब तरंग या लहर से है। यानी सुनामी का अर्थ 'समुद्री लहर' होता है। सुनामी शब्द का प्रयोग सबसे पहले जापानी मछुआरों द्वारा किया गया था। सुनामी का कारण समुद्र के आंतरिक तल में उथल-पुथल मचना है जिसके बाद महासागरीय लहरें समुद्र से उठकर आसपास के क्षेत्रों को तबाह कर देती हैं।

क्यों आता है भूकंप

धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी होती हैं। इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है जिसे टैकटोनिक प्लेट्स कहते हैं। ये टैकटोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर कंपन करती रहती हैं और जब इस प्लेट में बहुत ज्यादा कंपन हो जाती हैं, तो भूकंप महसूस होता है।

जानिए भूकंप के केंद्र और तीव्रता का क्या मतलब है?

भूकंप का केंद्र वह स्थान होता है जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से धरती हिलने लगती है। इस स्थान पर या इसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप का असर ज्यादा होता है। अगर रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है।

नेपाल के लिए मुश्किल भरे दिन: कोरोना खा गया है देश के बजट का बहुत बड़ा हिस्सा

दुबई। नेपाल सरकार की एक रिपोर्ट ने देश में बढ़ रही आर्थिक मुश्किलों पर रोशनी डाली है। इसके मुताबिक कोरोना महामारी को संभालने के लिए नेपाल को बहुत बड़ी रकम खर्च करनी पड़ी है। ऐसा दूसरे जरूरी मदों में कटौती करते हुए किया गया है। इसका खराब असर आने वाले समय पर होगा।

56 अरब रुपये हुए खर्च

सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2020 में कोविड-19 महामारी आने के बाद से जुलाई 2021 नेपाल सरकार ने स्वास्थ्य देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज पर 56 अरब रुपये खर्च किए हैं। इसमें वह रकम शामिल नहीं है, जो सरकार ने कोरोना वैक्सीन खरीदने पर खर्च किए गए। इसमें वह रकम भी शामिल नहीं है, जो गैर सरकारी संगठनों ने महामारी संबंधी राहत कार्यों पर खर्च किए। इन संगठनों ने अपने दूसरे विकास कार्यों में कटौती कर अपने बजट के बड़े हिस्से को कोरोना राहत पर खर्च किया है।

नेपाल सरकार ने कोविड-19 सहायता और उस पर हुए खर्च के बारे में तीसरी अर्ध-वार्षिक रिपोर्ट अब जारी की है। इससे ये अंदाजा लगाना आसान हुआ है कि कोरोना महामारी के कारण देश पर कितना बड़ा बोझ पड़ा है। नेपाल के पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर खनाल अखबार काठमांडू पोस्ट से कहा- 'इन आंकड़ों से पता चलता है कि सरकार ने अपने बजट का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा कोरोना से पैदा हुई चुनौतियों से निपटने में खर्च कर दिया।' उन्होंने कहा कि जिस बड़े पैमाने पर रकम इस काम लगाई गई है, उससे जाहिर होता है कि कोरोना महामारी का नेपाल जैसे गरीब देशों पर कितना बुरा असर पड़ा है।

कई अस्पतालों का बजट घटाया

इस रिपोर्ट से ये सामने आया है कि कोरोना को संभालने की कोशिश में सरकार को दूसरे मदों में कटौती करनी पड़ी। इनमें स्वास्थ्य संबंधी आम बजट भी शामिल है। मसलन, यहां के प्रमुख अस्पताल बीपी कोइराला मेमोरियल

कैंसर सेंटर का बजट 2019-20 में 36 करोड़ 39 लाख रुपये था। इसे इस वर्ष घटा कर 23 करोड़ 67 लाख रुपये कर दिया गया है। ऐसा ही कई दूसरे अस्पतालों के साथ भी हुआ है, जिनमें हृदय रोग अस्पताल और अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन ट्रांसप्लांट) केंद्र शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भविष्य में इन कटौतियों का कैंसर, हृदय रोग, और इन जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज पर बहुत खराब असर पड़ेगा।

सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड-19 महामारी ने पब्लिक हेल्थ के दूसरे क्षेत्रों को दो प्रमुख रूपों में प्रभावित किया है। पहली बात तो यह हुई कि महामारी के दौरान लगाए लॉकडाउन जैसे प्रतिबंधों की वजह से दूसरे रोगों के मरीज अस्पताल नहीं पहुंच पाए। दूसरा असर यह हुआ कि इस महामारी के कारण अन्य रोगों की देखभाल के बजट में कटौती करनी पड़ी है। पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. अरुणा उप्रेती ने काठमांडू पोस्ट से कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण टीबी, कुपोषण, महिला स्वास्थ्य, प्रसूति देखभाल, और बाल कल्याण की गहरी अनदेखी हुई है।

इन रोगों की चर्चा अब जाकर फिर शुरू हुई है, जब कोरोना महामारी से कुछ राहत मिलती दिख रही है। इसी बीच कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के सामने आ जाने से ये अंदेशा गहरा गया है कि बाकी बीमारियों की फिर अनदेखी हो सकती है। ऐसा हुआ तो उसका और भी ज्यादा बुरा असर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर होगा।

अफगानिस्तान: गुपचुप अपनी नियमित सेना खड़ी करने में जुटा है तालिबान

काबुल अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था के ढहने और देश में अस्थिरता पैदा होने की गहराती आशंकाओं के बीच खबर है कि तालिबान प्रशासन गुपचुप अपनी नियमित सेना तैयार करने की कोशिशों में जुटा हुआ है। तालिबान नेताओं ने इस काम की जिम्मेदारी रक्षा मंत्री मुल्ला मोहम्मद याकूब को सौंपी है। याकूब तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे हैं। बताया जाता है कि इस काम में तालिबान के सेना प्रमुख करी फसीउद्दीन याकूब की मदद कर रहे हैं।

तालिबान के रक्षा मंत्रालय में कार्यरत एक अधिकारी ने वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम से कहा- 'देश को एक छोटी लेकिन मजबूत नियमित सेना की जरूरत है, ताकि वह देश की सीमाओं की रक्षा कर सके और आंतरिक सुरक्षा संबंधी खतरों से देश को बचा सके।' इस अधिकारी ने वेबसाइट से अनुरोध किया कि वह उनका नाम गुप्त रखे।

अपनी मिलिट्री कॉर्प्स का कर रहा पुनर्गठन

पिछले महीने तालिबान ने अपनी आठ मिलिट्री कॉर्प्स को इस्लामी इतिहास से जुड़े नाम दिए। तालिबान के वरिष्ठ लड़ाकों को उन कॉर्प्स के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया। उन्होंने

काबुल और कांधार समेत देश के बड़े शहरों में सैनिक परेडों का भी आयोजन किया। पर्यवेक्षकों ने ध्यान दिलाया है कि तालिबान के लड़ाके अब परंपरागत सैनिक यूनिफॉर्म पहनने लगे हैं। पिछले महीने तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने इस्लामाबाद की यात्रा की थी। उस दौरान उन्होंने कहा था कि अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी के दौरान अफगानिस्तान में जो सेना तैयार की गई थी, उसकी अब देश को जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा था- ये सेना विदेशी हमलावरों ने तैयार की थी। जबकि अफगानिस्तान को ऐसी छोटी सेना की जरूरत है, जिसमें इस्लाम में आस्था रखने वाले और देशभक्त सैनिक हों।

अमेरिकी फौज की मौजूदगी के दौरान गठित की गई सेना में तीन लाख सैनिक थे। उन्हें अमेरिकी और नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) की सेना ने प्रशिक्षित किया था। लेकिन अमेरिकी सेना की वापसी के साथ ही वह फौज बिखर गई। उसने बिना लड़ाई लड़े तालिबान को काबुल पर कब्जा करने दिया। मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच के मुताबिक सत्ता संभालने के बाद से तालिबान ने उस सेना के 100 से ज्यादा सदस्यों को मौत के घाट उतार दिया है। जानकारों के मुताबिक तालिबान के इस रुख का फायदा आतंकवादी संगठन आईएसआईएस-खुरासान को मिल रहा है। पूर्व अफगान सेना के बहुत से फौजी उसकी तरफ आकर्षित हुए हैं। इससे देश में अस्थिरता बढ़ने का खतरा पैदा हुआ है। इसके बावजूद तालिबान अपनी नियमित सेना खड़ी करने की तरफ बढ़ रहा है। पेरिस स्थित अफगान सुरक्षा विशेषज्ञ अहमद होताक ने वेबसाइट निक्कई एशिया से कहा- 'नई नियमित सेना खड़ी करने के तालिबान के फैसले के पीछे वजह अंतरराष्ट्रीय मान्यता पाने की उसकी इच्छा हो सकती है। वे दुनिया को दिखाना चाहते है कि वे एक राज्य चला रहे हैं।

केजरीवाल सरकार ने बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर के जीवन पर आधारित म्यूजिकल प्ले का थीम सॉन्ग किया लॉन्च, मशहूर म्यूजिक बैंड इंडियन ओसियन ने बनाया है थीम सॉन्ग 'भीमाची जय'

बाबा साहब के जीवन और दर्शन को जन-जन तक पहुंचाएगी केजरीवाल सरकार- मनीष सिसोदिया

कुलदीप त्यागी

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने बुधवार को बाबा साहब ड्रॉ. भीम राव अंबेडकर के जीवन पर आधारित म्यूजिकल प्ले का थीम सॉन्ग भीमाची जय को लांच किया। इसे मशहूर म्यूजिक बैंड इंडियन ओसियन द्वारा तैयार किया गया है। जब तक गण का मान रहेगा, जब तक संविधान रहेगा, जब तक हिंदुस्तान रहेगा, बाबा साहेब का नाम रहेगा लिरिक्स के साथ बाबा साहब के पूरे जीवन के दर्शन को ध्यान में रखकर यह थीम सॉन्ग और म्यूजिक तैयार किया गया है। 05 जनवरी से दिल्ली में आयोजित होने वाला यह ग्रैंड म्यूजिकल प्ले बाबा साहब के जीवन पर आधारित होगा और इसके कुल 50 शो का प्रदर्शन किया जायेगा। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार भारत की पहली सरकार है, जो बाबा साहब की विरासत को बच्चे-बच्चे तक पहुंचाने के लिए भव्य आयोजन कर रही है। दिल्ली सरकार देश के लोगों को बाबा साहब के जीवन और आधुनिक भारत की नींव रखने रखने के उनके योगदान से परिचित करवा रही है। उन्होंने कहा कि हम बाबा साहब के जीवन के हर एक पल से बहुत कुछ सीख सकते हैं और इस गीत के माध्यम से बाबा साहब की शिक्षाओं और जीवन के सार को समझाने का प्रयास किया गया है।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार द्वारा आजादी के 75वें साल में यह संगीतमय प्ले इसलिए आयोजित किया जा रहा है, ताकि देश बाबा साहब और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर सके। उन्होंने कहा कि इस प्ले का उद्देश्य दिल्ली और देश के नागरिकों को आनंद और उत्सव के रूप में म्यूजिक, आर्ट और थिएटर के माध्यम से बाबा साहब के जीवन, उनकी सीख, उनके व्यक्तित्व और समाज के प्रति उनके योगदान से परिचित करवाना है।

- उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने म्यूजिकल बैंड इंडियन ओसियन के साथ लॉन्च किया यह थीम सॉन्ग
- 05 जनवरी से दिल्ली में बाबा साहब के जीवन पर आधारित ग्रैंड म्यूजिकल प्ले का होगा प्रदर्शन, इस प्ले के कुल 50 शो का किया जायेगा प्रदर्शन
- जब तक गण का मान रहेगा, जब तक संविधान रहेगा, जब तक हिंदुस्तान रहेगा, बाबा साहब का नाम रहेगा卐, बाबा साहब के पूरे जीवन के दर्शन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है थीम सॉन्ग का म्यूजिक और लिरिक्स
- केजरीवाल सरकार दिल्ली और देश के नागरिकों को आनंद और उत्सव के रूप में म्यूजिक के माध्यम से बाबा साहब के जीवन और शिक्षाओं से करवाएगी परिचित– मनीष सिसोदिया
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक भारत के निर्माता बाबा साहब के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना, उनके विचारों को समझना और यह महसूस करना कि आज हम जिस आनंद में जी रहे हैं, उसके लिए बाबा साहब ने कितने कष्ट उठाए थे– मनीष सिसोदिया
- बाबा साहब के जीवन को लेकर पहली बार दिल्ली में हो रहा है इस तरह का भव्य आयोजन, यह केजरीवाल सरकार की सराहनीय पहल, देश के अन्य हिस्सों में भी होने चाहिए ऐसे कार्यक्रम– राहुल राम, इंडियन ओसियन
- केजरीवाल सरकार के प्रयास से म्यूजिक के माध्यम से डॉ. अम्बेडकर के समानता, सद्भाव और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएंगे– अमित किलम, इंडियन ओसियन

डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि देश में इतने भव्य और बड़े प्ले का आज से पहले कभी आयोजन नहीं हुआ। अब तक यह परम्परा केवल यूरोपीय देशों में थी, जहां की सरकारें बड़े स्तर पर प्ले के आयोजन यह सुनिश्चित करती थीं कि वहां के नागरिक देश की महान विभूतियों और उनके योगदान को समझ सकें। दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में इस परम्परा की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि इस प्ले के माध्यम से दिल्ली सरकार चाहती है कि देश के तमाम नागरिक आधुनिक भारत के निर्माता बाबा साहब के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें, उनके विचारों को समझें और यह महसूस करें कि आज हम जिस आनंद में जी रहे हैं उसके लिए बाबा साहब ने कितने कष्ट उठाए थे। किन कष्टों को सहते हुए उन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखी थी। इस अवसर पर इंडियन ओसियन बैंड के कलाकार राहुल राम ने कहा कि बाबा साहब के जीवन को लेकर दिल्ली में इस तरह का भव्य आयोजन पहली बार हो रहा है। केजरीवाल सरकार की यह पहल बहुत ही सराहनीय है। इस तरह की पहल देश के अन्य हिस्सों में भी होनी चाहिए। हम दिल्ली सरकार के इस प्रयास का हिस्सा बनकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इंडियन ओसियन बैंड की पूरी टीम इस अवसर के लिए दिल्ली सरकार को धन्यवाद देती है।

संगीतकार अमित किलम ने कहा कि युवाओं में म्यूजिक को लेकर एक अलग ही उत्साह होता है। किसी भी संदेश को सभी तक पहुंचाने के लिए म्यूजिक एक बहुत ही शक्तिशाली उपकरण है। हमें बेहद खुशी है कि दिल्ली सरकार के इस मुहिम से जुडकर हम म्यूजिक के माध्यम से डॉ. अम्बेडकर के समानता, सद्भाव और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।

इंडियन ओसियन बैंड के एक अन्य सदस्य हिमांशु जोशी ने कहा कि हमारा गीत ÷भीमाची जय÷ देश के संस्थापकों में से एक, आधुनिक भारत के प्रणेता, भारतीय संविधान के जनक और उत्पीड़ितों की समानता की लड़ाई के सबसे बड़े प्रस्तावक डॉ. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि है।

उल्लेखनीय है कि केजरीवाल सरकार द्वारा 5 जनवरी 2022 से बाबा साहब के जीवन पर आधारित भव्य प्ले का जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजन किया जाएगा और इसके 50 शो कराए जाएंगे। यह पूरा नाटक उनके जीवन और विचारों के उपर आधारित होगा। इस नाटक के निर्देशन, आर्ट और क्रिएशन में नामचीन लोग जुड़े हुए हैं। स्टेडियम में 100 फुट स्टेज बनाया गया है। इसे देखने के लिए कोई भी आ सकता है। यह जनता के लिए बिल्कुल फ्री होगा। इसका प्रोडक्शन अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है। शायद भारत देश में पहली कोई सरकार है, जो बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के जीवन को बच्चे-बच्चे तक पहुंचाने के लिए इस किस्म का प्रयास कर रही है।

सद्गुरु भैया जी सरकार ने कालिंदी कुंज के यमुना तट पर दीप यज्ञ संकल्प सभा के जरिये 251 दीए जलाए

रवि शंकर तिवारी

नई दिल्ली। नदी नहीं तो सदी नहीं का संदेश देने वाले विगत 405 दिनों से निराहार सत्याग्रह सत्याग्रह समर्थ सद्गुरु भैया जी सरकार ने कालिंदी कुंज के यमुना तट पर दीप यज्ञ संकल्प सभा के जरिये 251 दीए जलाए और मां यमुना की आरती किया। उन्होंने संदेश देते हुए कहा कि यह प्रकृति, पर्यावरण ,नदी, जल के संरक्षण संवर्धन की दिशा में दुनिया का सबसे बड़ा अधिक समय तक चलने वाला निराहार सत्याग्रह महाव्रत बन चुका है।

उन्होंने संदेश देते हुए कहा कि हमारी संस्कृति प्रकृति के साथ तादाम्य रखने की सीख देती है। कृत्रिम वह बनावटी जीवनशैली ने हमें कमजोर कर दिया है।आहार-विहार, विचार, प्रवृत्ति सभी दूषित होते जा रहे हैं , यदि हम अब भी जागृत ना हुए तो मानव समाज को बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने जन सामान्य को संदेश देते हुए कहा कि हम स्वयं वह हमारे बच्चों को प्रकृति के समीप लाना है। तभी हम पूरी तन्मयता से उसके संरक्षण व संवर्धन हेतु सार्थक प्रयास कर सकेंगे। हमें इसे जन आंदोलन बनाना है। इस दिशा में केवल सरकारी प्रयास नाकाफी है।

उन्होंने संदेश देते हुए कहा कि मां यमुना को दिल्ली की जीवन रेखा के रूप में सभी जानते हैं, और उसे मानते भी हैं। परंतु वास्तविक स्थिति को समाज नहीं देख पा रहा है। सर्वोच्च से समाज के आखिरी छोर तक यह बात समझाने की आवश्यकता है। अब समय आ गया है मां की ओर देखने का, मां की सच्ची सेवा का। मां के संरक्षण व संवर्धन की अलख जन जन तक जगाने की जरूरत है। उन्होंने संदेश देते हुए कहा कि गुप्त हो रही मां यमुना, विलुप्त हो रहे जीवन क्षेत्र को बचाएं। प्रतीक्षा नहीं प्रतिज्ञा करें और बिना देर किए हमें प्रकृति को केंद्र में रख विकास व्यवस्था की अवधारणा को साकार करना होगा। मां यमुना के संरक्षण के लिए आम जन को आगे आना होगा।

कार्यक्रम आयोजक सोशल एक्टिविस्ट एस राहुल ने कहा कि धर्म शास्त्रों में कहते हैं गुरु गोविंद का धर्म धरा और धेनु के लिए अवतार हुआ हमारा। सौभाग्य है कि हम ऐसे ही एक निर्विकार संत समर्थ गुरु सत्ता को देख पा रहे है , जिनका ना कोई मठ है, ना कोई आश्रम है, ना कोई संचय, ना कोई संग्रह केवल सत्य के संघर्ष में धर्म , धरा, धेनु और प्रकृति के संरक्षण संवर्धन में जिन्होंने अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया।

मौके पर रोशनी रावत, सरिता सिंह , रामसेवक साहू ,रमेश यादव, पंकज तडस वेदांश छोटे रावसाहेब ,शोभा सिंह, पप्पू ,पंकज तिवारी ,मनोज कुशवाहा सहित सैकड़ों भक्त मौजूद रहे।

डॉ अनिल गोयल जी ने ईस्ट दिल्ली प्रीमियर लीग की कृष्णा नगर टीम का किया सम्मान

नई दिल्ली। गोयल हॉस्पिटल एंड यूरोलॉजी सेण्टर के निदेशक डॉ अनिल गोयल जी ने ईस्ट दिल्ली प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों के शानदार पर्दशन पर हार्दिक बधाई दी इस अवसर पर उन्होंने कहा की सभी खिलाड़ियो ने शानदार पर्दशन करके ईस्ट दिल्ली का नाम ऊँचा किया है इससे आने वाले नए खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। डॉ अनिल गोयल जी ने खिलाड़ियों को उपहार देकर सम्मानित किया और आने वाले उज्जवल भविष्य और बेहतर पर्दशन के लिए शुभकामनाएं दीं उन्होंने कहा की सभी खिलाड़ी बहुत अच्छे है और मुझे पूरी उम्मीद है आने वाले मैचों में और भी बेहतर पर्दशन करेंगे और अपने कैरियर की बुलंदी को छुएंगे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री राम किशोर शर्मा जी, जिला कोषाध्यक्ष श्री हरिओम गुप्ता जी, श्रीमति इन्दु बाला जी (मंडल अध्यक्ष) श्री सुरेंद्र किंद्रा जी (मंडल अध्यक्ष) श्री कुश बिंद्रा जी (मंडल अध्यक्ष) उपस्थित रहे।

सुप्रसिद्ध लेखिका अनामिका रोहिल्ला डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि से सम्मानित

संवाददाता , नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की चर्चित एवं अर्जित प्रतिभाशाली लेखिका अनामिका रोहिल्ला को डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय इंदौर देवास मध्य प्रदेश द्वारा शिक्षा संकाय में उनके अनुसंधान कार्य 'प्रसन्नता पाठ्यक्रम की विषय वस्तु उपयोगिता, अनुकूलता एवं प्रासंगिकता पर अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के अनुभवों का तुलनात्मक अध्ययन' पर 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी' की उपाधि प्रदान की गई।आपने अपना शोधकार्य डॉ. शिवानी श्रीवास्तव, शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ से मिले विभिन्न आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी

आनंद राय

संवाददाता, गुरुग्राम। जिला मीडिया प्रभारी अजीत यादव ने बताया कि जिला कार्यालय सेक्टर 10ए मैं गुरुग्राम के ₹यूनाइटेड गुरुग्राम आरडब्लूए वऋफर₹ के पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष श्रीमती गार्गी कक्कड़ से शिष्टाचार भेंट की। आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने अपनी बात रखते हुए उनके क्षेत्र में आ रही समस्याओं से साथ ही सरकारी अधिकारियों के लचर एवं गलत व्यवहार से अवगत कराया। सर्वप्रथम आए हुए सभी आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों से जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ ने उनके हुड्डा सेक्टर, कॉलोनी, टाउनशिप ,में सरकार के द्वारा चल रहे विकास कार्य पर विस्तार से चर्चा की और जानकारी हासिल की व जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ ने आश्वासन दिया कि उनके क्षेत्र में किसी भी तरह की दिक्कत परेशानी है उसे सरकार के शीर्ष अधिकारियों से बात कर दूर कराया जाएगा ताकि भविष्य में कोई समस्याएं ना हो। अगर कोई अधिकारी अपना काम ठीक से नहीं कर रहा तो शीर्ष अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। मिलने वालों में आरडी सिटी से प्रेसिडेंट प्रवीण यादव, महेश माथुर, ए .एन.अग्रवाल, पाननी गुप्ता, चेताली मल्होत्रा, आरडब्लूए सेक्टर 7 से ओमप्रकाश कुकरेजा, सेक्टर 7 एक्सटेंशन हाउसिंग बोर्ड से नरेश कुमार, के.के अहूजा, सेक्टर 23 ए आरडब्लूए से नीरू यादव, डी.एम हुड्डा, सेक्टर 45 आरडब्ल्यूए से ओम प्रकाश यादव, कर्नल आर. एस यादव, सेक्टर 9 आरडब्ल्यूए से, प्रशांत चौहान, सेक्टर 15 पार्ट 1 आरडब्ल्यूए से अनिल कुमार, साथ इस दौरान जिला उपाध्यक्ष राकेश यादव, कार्यालय मंत्री यादराम जोया (पार्षद) जिला सह मीडिया प्रभारी नीरज यादव उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका, कहा- दिल्ली के लोग वायु प्रदूषण से बुरी तरह प्रभावित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली सरकार की 4,261 ई आटो रिक्शा परमिट की अधिसूचना को चुनौती देने वाली बजाज आटो की अर्जी खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली निवासी वायु प्रदूषण से बुरी तरह प्रभावित हैं, जो कि वाहनों से बढ़ता है। बजाज आटो लिमिटेड ने अर्जी दाखिल कर कोर्ट से दिल्ली सरकार के ई आटो रिक्शा को परमिट जारी करने के लिए आनलाइन आवेदन मंगाने का निर्णय रद करने की मांग की थी। उसकी दलील थी कि सिर्फ ई आटो रिक्शा को परमिट देने की अधिसूचना मनमानी और भेदभाव पूर्ण है क्योंकि इसमें अन्य स्वच्छ ईंधन से चलने वाले वाहनों को शामिल नहीं किया गया है।

दिल्ली सरकार की 4,261 ई रिक्शा परमिट की अधिसूचना को चुनौती देने वाली बजाज आटो की अर्जी खारिज की

जस्टिस एल नागेश्वर राव की पीठ ने दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार की ओर से मामले में आए जवाबों और नियम कानूनों को देखने के बाद याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार का ई आटो रिक्शा के पंजीकरण के लिए आनलाइन आवेदन आमंत्रित करने का विज्ञापन गलत और मनमाना नहीं है क्योंकि यह केंद्र सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन नीति का समर्थन करता है। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली निवासी वायु प्रदूषण से बुरी तरह प्रभावित हैं और वाहन इसमें इजाफा करते हैं। कोर्ट ने कहा कि सीएनजी के बीएस 6 मानक पूरा करने वाले आटो भी थोड़ा कार्बन उत्सर्जित करते हैं।

दिल्ली सरकार ने बजाज आटो की याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि ई रिक्शा की सीएनजी आटो से तुलना नहीं की जा सकती। राज्य सरकार ने कहा कि परिवहन सेक्टर को कार्बन रहित बनाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों पर स्विच करने का प्रस्ताव है। उसने केंद्र की इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीति का हवाला दिया। दिल्ली सरकार ने कहा कि दिल्ली में अभी 92,000 सीएनजी आटो रिक्शा हैं जिनमें पुरानों को हटाने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है।

मामले में न्यायमित्र वरिष्ठ वकील एडीएन राव ने कहा कि यह याचिका खारिज करने योग्य है क्योंकि यहां परमिट का नहीं बल्कि सिर्फ रजिस्ट्रेशन फीस जमा कराने का मामला है।इस मामले में दिल्ली सरकार ने गत 18 अक्टूबर को विज्ञापन निकाला था जिसमें 4,261 ई आटो रिक्शा के आन लाइन परमिट के लिए आवेदन मांगे गए थे। बजाज आटो ने इसे चुनौती देते हुए कहा था कि सिर्फ ई आटो रिक्शा के आवेदन मंगाना अन्य स्वच्छ ईंधन से चलने वाले वाहनों के साथ भेदभाव है। यह परोक्ष रूप से सीएनजी आटो पर प्रतिबंध लगाना है। इससे एक वर्ग की मार्केट संभावनाएं समाप्त होती हैं जो कि रोजगार के अधिकार का हनन हैं।

बजाज आटो का कहना था कि वह सीएनजी के बीएस 6 आटो रिक्शा बनाता है जो कि 90 फीसद प्रदूषण कम करते हैं ऐसे में सिर्फ ई आटो को परमिट देने से उसके रोजगार और बराबरी के अधिकार प्रभावित होते हैं। बजाज आटो की ओर से यह भी दलील दी गई थी कि ई रिक्शा को नियमों के मुताबिक परमिट की जरूरत नहीं है ऐसे में दिल्ली में जो एक लाख आटो रिक्शा की कैप यानी सीमा है उसमें ई आटो रिक्शा को न शामिल माना जाए। लेकिन कोर्ट ने यह दलील ठुकरा दी।

रामलला के दर्शन के लिए बुजुगरे,महिलाओं का जत्था रवाना,अध्यक्ष ने दिखायी झंडी

बुजुगरे की देखभाल के लिए महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष रेनू भी जत्थे के साथ

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की तीर्थ यात्रा योजना का जवाब देने के लिए अब प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने भी बुजुर्ग और महिलाओं को तीर्थ यात्रा पर भेजना शुरू कर दिया है। महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष रेनू सिंह की अगुवाई में बुधवार को 215 बुजुर्ग एवं महिलाओं का जत्था अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए रवाना हुआ। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, महिला मोर्चा की अध्यक्ष योगिता सिंह एवं प्रशांत शर्मा ने उन्हें झण्डी दिखाकर रवाना किया। खासबात यह है कि रेनु सिंह राजधानी के बुजुर्ग और महिलाओं को पहले भी मथुरा एवं वृंदावन की यात्रा करा चुकी है, लेकिन बड़े स्तर पर पहली बार शुरू की है।

यात्रा पर रवाना होने से पहले बुजुर्ग और महिलाएं काफी खुश दिख रही थीं। उनके चेहरे पर अयोध्या में रामलला के दर्शन की अभिलाषा साफ दिख रही थी। रेनू सिंह ने बताया कि यह यात्रा तीन दिन की है। यात्रा के दौरान बुजुर्ग और महिलाओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए पूरी व्यवस्था की गयी है। यात्रा के दौरान उनके खाने-पीने के लिए सारा सामान रखा गया है। अयोध्या में सभी के रहने की पर्याप्त व्यवस्था है। सर्दी के मौसम को देखते हुए गरम कपड़ों की व्यवस्था की है। रेनू सिंह ने बताया कि वह चाहते हैं कि देश सभी बुजुर्ग और महिलाओं पर रामलला की इसी तरह कृपा बनी रहें और खुशी के साथ वह रामलला के दर्शन करने अयोध्या पहुंचें।वेतन की मांग को लेकर दक्षिणी दिल्ली लोक सभा के पुजारियों ने किया केजरीवाल आवास पर विरोध प्रदर्शन...

आज दक्षिणी दिल्ली सांसद श्री रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में दक्षिणी दिल्ली लोक सभा के 700 मन्दिर के पुजारी अपनी मांग को लेकर केजरीवाल निवास पर पहुॅचे। उनकी मांग थी कि जब इमामो को वेतन दिया जाता है प्रतिमाह 18000 व 16000 रूपये, जो प्रतिवर्ष 59 करोड़ 4 लाख रूपये सरकार के मौलवियों के वेतन में जाते हैं। हिन्दू पुजारी मन्दिरों में पूजा पाठ करते हैं तो उनको वेतन क्यों नहीं? उनके साथ ये भेदभाव क्यों?

सांसद रमेश बिधूड़ी ने बताया कि एक तरफ केजरीवाल अपने ट्वीटर हैंडल पर लिखते हैं कि 'सब इंसान बराबर हैं चाहें वो किसी भी धम या जाति के हों, हमे ऐसा भारत बनाना है जहां सभी धम व जाति के लोगों में भाईचारा और मोहब्बत हो, न कि नफरत और बैर हो' और दूसरी तरफ भारत के संविधान में व्यवस्था है कि धम के आधार पर किसी को कोई रिजवेर्शन नही मिलेगी, जब धम के आधार पर मौलवियों को अगर तनख्वाह दी जाती है तो मन्दिरों में पुजारियों को, गुरूद्वारों में ग्रन्थियों को और चच के पादरियों को तनख्वाह क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि अगर केजरीवाल माइनोरिटी की बात करते हैं तो बोद्ध, सिख और पादरी भी माइनोरिटी में हैं और बहुसंख्यक समाज देश में रहता है तो उसको सैलरी क्यों नहीं? यह एक तरह से संविधान में अनुच्छेद 14 का और संविधान की मूल भाषा का सीधा-सीधा उल्लंघन है। बिधूड़ी ने कहा कि एक गिरगिट प्रवृत्ति से काय करने वाले केजरीवाल रंग बदलकर पिछले 7 सालों से दिल्ली की जनता को ठगते आऐं हैं और अब उत्तर प्रदेश, पंजाब व उत्तराखण्ड के निवासियों को भी इसी प्रकार लुभावनी घोषणाएं कर ठगने का प्रयास कर रहे हैं, उनकी कथनी और करनी का खामियाजा दिल्ली की जनता भुगत रही है। उनकी भेदभाव की कार्यप्रणाली से राजनैतिक स्वाथ साफ दिखाई देता है।

रामलला के दर्शन के लिए बुजुगरे, महिलाओं का जत्था रवाना, अध्यक्ष ने दिखायी झंडी

बुजुगरे की देखभाल के लिए महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष रेनू भी जत्थे के साथ

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की तीर्थ यात्रा योजना का जवाब देने के लिए अब प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने भी बुजुर्ग और महिलाओं को तीर्थ यात्रा पर भेजना शुरू कर दिया है। महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष रेनू सिंह की अगुवाई में बुधवार को 215 बुजुर्ग एवं महिलाओं का जत्था अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए रवाना हुआ। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, महिला मोर्चा की अध्यक्ष योगिता सिंह एवं प्रशांत शर्मा ने उन्हें झण्डी दिखाकर रवाना किया। खासबात यह है कि रेनु सिंह राजधानी के बुजुर्ग और महिलाओं को पहले भी मथुरा एवं वृंदावन की यात्रा करा चुकी है, लेकिन बड़े स्तर पर पहली बार शुरू की है।

यात्रा पर रवाना होने से पहले बुजुर्ग और महिलाएं काफी खुश दिख रही थीं। उनके चेहरे पर अयोध्या में रामलला के दर्शन की अभिलाषा साफ दिख रही थी। रेनू सिंह ने बताया कि यह यात्रा तीन दिन की है। यात्रा के दौरान बुजुर्ग और महिलाओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए पूरी व्यवस्था की गयी है। यात्रा के दौरान उनके खाने-पीने के लिए सारा सामान रखा गया है। अयोध्या में सभी के रहने की पर्याप्त व्यवस्था है। सर्दी के मौसम को देखते हुए गरम कपड़ों की व्यवस्था की है। रेनू सिंह ने बताया कि वह चाहते हैं कि देश सभी बुजुर्ग और महिलाओं पर रामलला की इसी तरह कृपा बनी रहें और खुशी के साथ वह रामलला के दर्शन करने अयोध्या पहुंचें।

संपादकीय

महंगाई पर महारैली

निस्संदेह, महंगाई मध्यम व निम्न वर्ग की कमर तोड़ रही है, जिसके चलते इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों की संवेदनशीलता भी सवालिया घेरे में रही है। सत्तापक्ष तो महंगाई को लेकर तमाम तर्क देता रहा है, लेकिन आम धारणा है कि विपक्ष ने एकजुट होकर महंगाई के मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया। शायद इसी सोच को लेकर जयपुर में रविवार को आयोजित 'महंगाई पर महारैली' के जरिये कांग्रेस ने जनता की नब्ज पर हाथ रखने का प्रयास किया। पूरा गांधी परिवार पीएम मोदी व केंद्र सरकार पर महंगाई के मुद्दे पर जमकर बरसा। रैली में सोनिया गांधी की चुप्पी भी राहुल व प्रियंका के समर्थन में थी। लेकिन विडंबना ही है कि महंगाई हटाओ महारैली के जरिये राहुल गांधी का हिंदू बनाम हिंदुत्ववादी का उद्घोष पूरे देश में विमर्श का नया मुद्दा बन गया और महंगाई का मुद्दा हाशिये पर चला गया। जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित इस रैली में राहुल गांधी ने अपने भाषण में बताते हैं कि महंगाई शब्द का प्रयोग सिर्फ एक बार किया जबकि 35 बार हिंदू और 26 बार हिंदुत्ववादी शब्द का प्रयोग किया। लेकिन कांग्रेस की इस रैली से कई साफ संदेश सामने आये। ऐसे वक्त में जब केंद्र सरकार ने येन-केन-प्रकारेण किसान आंदोलन का पटाक्षेप कर दिया है तो आने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस समेत विपक्ष महंगाई के मुद्दे से ही चुनावी वैतरणी पार करने की कोशिश करेगा। जयपुर रैली से महंगाई के खिलाफ बिगुल बजाकर कांग्रेस ने साफ कर दिया कि वह पांच राज्यों के आसन्न चुनावों में महंगाई के मुद्दे को लेकर ही जनता के बीच जायेगी। वहीं सोनिया गांधी ने रैली में भाषण न देकर राहुल को आगे लाने का संदेश दे दिया। यदि सोनिया बोलती तो निस्संदेह राहुल के भाषण को कम तरजीह मिलती। अगले साल होने वाले पार्टी संगठन के चुनाव में राहुल को कमान मिलना लगभग तय नजर आ रहा है। प्रियंका गांधी ने भी महंगाई के मुद्दे पर लड़ने के लिये राहुल गांधी को आगे किया।

कोरोना संकट से उबर रहे देश में आम आदमी के आय के स्रोतों का संकुचन अभी तक सामान्य नहीं हो पाया है। कई उद्योगों व सेवा क्षेत्र में करोड़ों लोगों ने रोजगार खोये या उनकी आय कम हुई। ऐसे में आये दिन बढ़ती महंगाई बेहद कष्टदायक है। गरीब आदमी की थाली से सब्जी गायब होने लगी है। आम आदमी के घर में आम जरूरतों के लिये प्रयोग होने वाला सरसों का तेल दो सौ रुपये लीटर से अधिक होना बेहद चौंकाने वाला है। हाल ही के दिनों में टमाटर का सौ रुपये तक बिकना बेहद परेशान करने वाला रहा। इतना ही नहीं, जाड़ों के मौसम में लोकप्रिय सब्जियां मसलन गोभी व मटर के दाम भी सामान्य नहीं रहे हैं। प्याज के भाव भी चढ़ते-उतरते रहते हैं। वहीं पेट्रोल-डीजल के दाम कई स्थानों पर सौ को पार करने का भी महंगाई पर खासा असर पड़ा है। जाहिर-सी बात है पेट्रोलियम पदार्थों के भाव में तेजी आने से मालभाड़ा महंगा होकर हर चीज के दाम को बढ़ा देता है। हालांकि, सरकार ने तेल के दामों में कुछ कमी की और कुछ राज्यों ने वैट घटाकर खरीदारों को राहत भी दी, लेकिन यह राहत दीर्घकालीन व बड़ी नहीं है। टमाटर को लेकर कहा जा रहा है कि मानसूनी बारिश के देर तक चलने व खेतों में ज्यादा पानी भरे रहने से टमाटर की अधिकांश फसल बर्बाद होने से इसके दामों में अप्रत्याशित तेजी आई। भारत में जहां टमाटर का उत्पादन ज्यादा है तो खपत भी ज्यादा है। भारत दुनिया में चीन के बाद टमाटरों का दूसरा बड़ा उत्पादक देश है। लेकिन हाल के वर्षों में बड़ी मात्रा में टमाटर का उपयोग खाद्य प्रसंस्करण उद्योग द्वारा किया जा रहा है, जिसकी आपूर्ति से बाजार में टमाटर की सप्लाई प्रभावित होती है। साथ ही यहां यह भी विचारणीय है कि क्या टमाटर उत्पादकों को उनकी मेहनत के अनुरूप दाम मिल रहा है? बहरहाल, महंगाई पर राजनीतिक दलों की उदासीनता आम आदमी को परेशान जरूर करती है।

भारत की दोस्ती

भारत की हमेशा कोशिश रही है कि अफगानिस्तान में स्थितियां सुधरें। वहां हालात सामान्य हों, और अफगान नागरिक सामान्य जीवन जी सकें। संकट से जूझ रहे अफगानिस्तान की मदद के लिए भारत ने फिर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद से परेशानियों के बीच जीवन गुजार रहे अफगानियों के लिए भारत ने भारी मात्रा में दवाओं की खेप भेजी है। तालिबान के काबिज होने के बाद से ही वहां भारत की तमाम गतिविधियां थमी हुई हैं। तालिबान की सत्ता को मान्यता देने को लेकर भारत अभी तक दुविधा में है। तालिबान के आने तक अफगानिस्तान में भारत की अरबों डॉलर की लागत वाली विकास योजनाएं चल रही थीं। जो एकाएक रुक गई और तालिबान तथा पाकिस्तान की दोस्ती को लेकर भारत में नई आशंकाएं उभर आई। तबसे स्थितियां लगभग जस की तस थीं। रूस तथा चीन के तालिबान की सत्ता को समर्थन देने के बाद दुनिया भी इस दिशा में कुछ नरम हुई है। गृहयुद्ध और युद्ध के बीच पिस रही जनता को अभावों से जूझता देख संयुक्त राष्ट्र ने सारी दुनिया से मदद की गुहार की है। यूनीसेफ और विश्व बैंक ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है। ऐसे में भारत कैसे पीछे रह सकता था? अफगानिस्तान हमारा पड़ोसी होने के साथ पाक का भी पड़ोसी हैग जिससे हमारे रिश्ते हमेशा तल्ख रहे हैं। ऐसे में अफगानिस्तान का पाक की तरफ झुकाव भारत के लिए दिक्कतें बढ़ा सकता था क्योंकि पाक लगातार तालिबान को बढ़ावा देता आया है। भारत ने इसीलिए लंबे वक्त तक तटस्थ रुख बनाए रखा। हालांकि अफगानों से भारत के रिश्ते लंबे वक्त से दोस्ताना रहे हैं। चीन का अफगानिस्तान में बढ़ता दखल भी चिंता का विषय बनता जा रहा था। केवल अमेरिका की नाराजगी की आशंका में यह खतरा उठाना भारत के लिए अच्छा नहीं होता। इधर भारत ने नई कूटनीति पर चलते हुए किसी की नाराजगी की चिंता करना छोड़ दिया है। रूस से एस-400 मिसाइल सुरक्षा प्रणाली की खरीद इसका उदाहरण है। अफगानिस्तान की जनता के लिए जीवनरक्षक दवाएं भेजकर भारत ने अपना मानवीय पक्ष दुनिया के सामने रखा है। इससे अफगान जनता में भारत की अहमियत बढ़ेगी। यह बड़े महत्व का कूटनीतिक कदम है और अमेरिका तथा चीन को भी बिल्कुल साफ संकेत है। निश्चित तौर पर भारत की मदद वहां के लोगों के लिए वरदान साबित होगी।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

चोरी का गर्व

दिग्गज दिवंगत फुटबॉल खिलाड़ी डिएगो माराडोना की दुबई से चुराई हुई घड़ी असम में एक चोर से बरामद हुई। दुबई से असम के शिवसागर जिले तक का सफर माराडोना की घड़ी ने तय किया।

माराडोना महान फुटबॉल खिलाड़ी अर्जेंटीना के, चुराई गई घड़ी का ब्रांड हबलोट स्विटजरलैंड का, चोरी स्थल दुबई, चोर भारत का, बरामदगी स्थल असम, ग्लोबलाइजेशन और क्या होता है जी? स्विटजरलैंड का आइटम अर्जेंटीना के खिलाड़ी के पास था, जो भारतीय चोर ने पार कर लिया। टॉप के फुटबॉल खिलाड़ी अर्जेंटीना बना ले, टॉप की घड़ियां स्विटजरलैंड वाले बना लें, टॉप के शहर दुबई वाले बना लें और और टॉप के चोर भारतीय बना लेंगे-इस पूरे घड़ी कांड से यही मैसेज मिलता है। अरे कुछ यूं होता कि टॉप भारतीय फुटबॉलर की टॉप भारतीय ब्रांड की घड़ी को स्विटजरलैंड में किसी अर्जेंटीनावाले ने चोरी कर लियाग तो पता लगता कि ग्लोबलबाजी में भारत की भूमिका बहुतै इज्जतदार टाइप है। एक वरिष्ठ चोर बोला-सिर्फ सॉफ्टवेयर इंजीनियर ही भारत के दुनिया भर में हुनर ना दिखा रहे, हमारे चोर भी पर्याप्त हुनर दिखा रहे हैं विदेशों में। चोरी में भारतीय रैंकिंग बहुत पीछे ना होगी, अगर वह बनी तो। वैसे पाकिस्तानियों ने पूरा की पूरा परमाणु बम ही चोरी से तान दिया। मेरठ के कार कबाड़ियों के बारे में कहा जाता है कि वह चोरी के अलग-अलग पुर्जों से एकदम नई टाइप की कार खड़ी कर देते हैं, मुझे लगता है कि ये चोर टाइप कबाड़ी ही पाकिस्तान में जाकर परमाणु बना आए होंगे, पर भारतीय पाकिस्तान में काम कर आएंग तो पाकिस्तान वाले उसे कबूलते नहीं हैं। भारत के तस्कर आतंकी दाऊद इब्राहीम को पाकिस्तान में रहते हुए कई दशक हो लिये हैं, पर पाकिस्तानवाले कबूलते नहीं हैं। पाकिस्तानी चोरों में इस बात का टेंशन होना चाहिए कि उनके रहते कोई भारतीय चोर दुबई में हुनर कैसे दिखा गया। पर भारतीय है, तो हुनर तो दिखाएगा। पाकिस्तान के हुनर आतंक और चोरी तक सीमित हैं, भारत के हुनर बहुआयामी हैं, सॉफ्टवेयर से लेकर चोरी तक फिर आगे सॉफ्टवेयर की चोरी तक। खैर शर्म से और थोड़े से गर्व बोलें-सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी माराडोना की घड़ी की कसम।

मनुष्य और परमात्मा का मूल्यवान संवाद है 'गीता'

प्रमोद भार्गव

श्रीमद्भगवत् गीता देश का सर्वाधिक लोकप्रिय एवं पवित्र ग्रंथ है। विद्वानों ने इसे 'परमात्मा का गीत' भी कहा है। वास्तव में यह मनुष्य और प्रकृति के बीच ऐसा मूल्यवान संदेश है, जो ब्रह्मांडीय ज्ञान को विज्ञान से जोड़ने के साथ मनुष्य को अपने जीवन मूल्य और स्वाभिमान की रक्षा के लिए युद्ध का प्रेरक संदेश भी देता है। इसलिए यह विज्ञान और युद्ध का ग्रंथ भी है।

वैसे भी भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन का संवाद कुरुक्षेत्र के उस मैदान में हुआ था, जहां युद्ध का होना सुनिश्चित होने के बाद भी अर्जुन अपने सगे-संबंधियों के मोह में शस्त्र डालने की मानसिकता बना चुके थे। किंतु कृष्ण के प्रेरक संदेश से अभिप्रेरित होकर उन्होंने रक्त संबंधियों से युद्ध की ठान ली। अतएव यह सत्य के यथार्थ का बोध कराने वाला संवाद भी है। ब्रह्मांड के खगोलीय ज्ञान का बोध कृष्ण-अर्जुन के पहले संवाद मार्गशीष शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से ही आरंभ हो जाता है। कृष्ण कहते है कि मैं महीने में अगहन हूं। अर्थात इस संवाद के शुरू होने से पहले ही भारतीय ऋषियों ने काल-गणना को जान लिया था। इसीलिए गीता को चारों वेद, 108 उपनिषद् और सनातन हिंदू दर्शन के छह शास्त्रों के सार रूप में जाना जाता है। इसीलिए गीता को नई शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम में शामिल करने और राष्ट्र ग्रंथ की श्रेणी में रखने की मांग उठ रही है। गीता के मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने इस दृष्टि से एक वर्णमाला भी तैयार की है, जिसमें 'अ' से अनार और 'आ' से आम के बनिस्वत 'अ' से अर्जुन और 'आ' से आर्यभट्ट पढ़ाया जाएगा। ये शब्द अर्जुन के रूप में एक समर्थ योद्धा और आर्यभट्ट के रूप में खगोल विज्ञानी से जुड़े हैं। साफ है, गीता का ज्ञान विज्ञान के सामर्थ्य से उपजा है।

गीता ज्ञान का ऐसा दिव्य स्रोत है, जो स्वयं व्यक्ति से मैत्री का संदेश देता है। यह एक ऐसा मनोवैज्ञानिक संवाद है, जो अवसाद से घिरे मनुष्य को उबारने का काम करता है। मौलिक विचार प्रकट करते हुए कृष्ण अर्जुन से कहते हैं, 'मनुष्य को चाहिए कि वह अपने मन के द्वारा अपने जन्म और मृत्यु रूपी बंधन से उद्धार करने की कोशिश करे। यही ज्ञान उसे दयनीयता से बाहर निकाल सकता है।' अर्जुन अपने संबंधियों को शत्रु के रूप में देख इसी निम्नता के बोध से घिरकर संग्राम से पलायन की मानसिकता बना बैठा था। कृष्ण कहते हैं कि 'मन के भीतर जो जीवात्मा है, वही आपकी सच्चा मित्र और शत्रु है।' अतएव हीनता और अवसाद से घिरे मनुष्य को जीवात्मा से संवाद करने की जरूरत है।

> तय है, व्यक्ति और समाज की रचनात्मकता में गीता का अतुलनीय योगदान रहा है। कालजयी नायकों में गीता के स्वाध्याय से उदात्त गुणों की स्थापना हुई है। इसीलिए ये महापुरुष कर्म की श्रेष्ठता को प्राप्त हुए।

दुनिया के अनेक देशों में राष्ट्रीय झंडा, चिन्ह, पक्षी और पशु की तरह राष्ट्रीय ग्रंथ भी हैं। अलबत्ता हमारे यहां 'धर्मनिरपेक्ष' एक ऐसा विचित्र शब्द है, जो राष्ट्र-बोध की भावना पैदा करने में अकसर रोड़ा अटकाने का काम करता है। गीता को राष्ट्रीय ग्रंथ बना देने की घोषणाएं जरूर होती रही हैं लेकिन ऐसा करना आसान नहीं है। हालांकि नरेंद्र मोदी सरकार बनने के बाद से उन मुद्दों का हल होना शुरू हो गया है, जो भाजपा और संघ के मूल एजेंडे में शामिल रहे हैं। इनमें धारा 370 एवं 35-ए तीन तलाक, राम मंदिर और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अमल हो गया है, लेकिन समान नागरिक संहिता, समान शिक्षा, राष्ट्र भाषा और संस्कृत पढ़ाए जाने के मुद्दे अभी हल नहीं हो पाए हैं। उम्मीद है कि इन मुद्दों के समाधान भी हो जाएंगे। गीता जीवन जीने का तरीका सिखाती है, बावजूद संविधान में दर्ज 'धर्मनिरपेक्षता' शब्द ऐसा आडंबर है, जो गीता को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करने और इसे शालेय शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करने में सबसे बड़ी बाधा है। हालांकि संविधान में व्यक्त न तो धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा स्पष्ट है और न ही उच्चतम न्यायालयों के विभिन्न न्यायाधीशों द्वारा धर्मनिरपेक्षता शब्द की व्याख्याओं में एकरूपता है। इसलिए गीता को जब भी राष्ट्रीय महत्व देने की बात उठती है, तो तथाकथित धर्मनिरपेक्षतावादी गीता का विरोध करने लगते हैं, क्योंकि यह बहुसंख्यक किंतु उदारवादी हिंदू धर्मावलंबियों का ग्रंथ है। दूसरी तरफ अल्पसंख्यकों के शिक्षा संस्थान में कुरान की आयतें, बाईबिल के संदेश अथवा अन्य मध्ययुगीन मजहबी किताबें पढ़ाई जाती रहें, तो मार्क्सवादी बुद्धिजीवियों और तथाकथित सेकुलर राजनीतिज्ञों को कोई आपत्ति नहीं होती ? जबकि श्रीमद्भगवत गीता दुनिया का एक मात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसकी रचना महाभारत युद्ध के दौरान एक विशेष कालखंड में राष्ट्रीयता, नैतिकता और मानवता के चरम तत्वों की प्राप्ति के लिए हुई थी। यह मानव संघर्ष के बीच रचा गया युद्ध के संदेश का शास्त्र है। आज दुनिया आतंकवाद के संक्रमण काल से गुजर रही हैं, ऐसे में गीता का संदेश कर्म और उदात्त तत्वों को ग्रहण करने का एक श्रेष्ठ माध्यम बन सकता है।

प्रत्यक्षतः दुनिया शांति और स्थिरता की बात करती है। लेकिन शासकों के पूर्वाग्रह, अंतर्द्वंद्व, आधुनिक विकास और सत्ता की प्रतिस्पर्धा ऐसी महत्वाकांक्षा जगाते हैं कि दुनिया कहीं ठहर न जाए। इसलिए भीतर ही भीतर धर्म, संप्रदाय, जाति और नस्ल के भेद के आधार पर दुनिया को सुलगाए रखने का काम भी यही शासक करते हैं। परिणामस्वरूप दुनिया में संघर्ष और टकराव उभरते रहे हैं। टकराव के एक ऐसे ही कालखंड में कर्मयोगी श्रीकृष्ण के मुख से अर्जुन को कर्तव्यपालन के प्रति आगाह करने के लिए गीता का सृजन हुआ। इसीलिए इसे संघर्ष-शास्त्र भी कहा गया है। गीता का संदेश है, उठो और चुनौतियों के विरूद्ध लड़ो। क्योंकि अर्जुन अपने परिजनों, गुरूजनों और मित्रों का संहार नहीं करना चाहते थे। वे युद्ध से विमुख हो रहे थे। यदि इस मानव-संघर्ष में अर्जुन धनुष-बाण धरा पर धर देते तो सत्ताधारी कौरव जिस अनैतिकता व अराजकता के चरम पर थे, वह जड़ता टूटती ही नहीं। यथास्थिति बनी रहती है। परंपरा में चले आ रहे तमाम ऐसे तत्व शामिल होते हैं, जो वाकई अप्रासंगिक हो चुके होते हैं। मूल्य-परिवर्तनशील समय में शाश्वत बने रहें, इसलिए परंपरा में परिवर्तन जरूरी है। गीता में परिवर्तन के क्रम में प्रासंगिक कर्म की व्याख्या की गई है। इसीलिए यह युगांतरकारी ग्रंथ है। दुनिया के प्रमुख ग्रंथों में गीता ही एक ऐसा ग्रंथ है, जिसका अध्ययन व्यक्ति में सकारात्मक सोच के विस्तार के साथ उसका बौद्धिक दायरा भी बढ़ाती है। फलतः गीता के एक सौ से भी ज्यादा भाष्य लिखे जा चुके हैं। अन्य धर्म-ग्रंथों की तो व्याख्या ही निषेध है। हालांकि कोई धर्म ग्रंथ चाहे वह किसी भी धार्मिक समुदाय का हो, दुनिया के सभी देशों के बीच उनका सम्मान करने की एक अघोषित सहमति होती है। गीता विलक्षण इसलिए है, क्योंकि यह सनातन धर्मावलंबियों का आध्यात्मिक ग्रंथ होने के साथ दार्शनिक ग्रंथ भी है। इसमें मानवीय प्रबंधन के साथ समस्त जीव-जगत व जड़-चेतन को एक कुटुंब के रूप में देखा गया है और उनकी सुरक्षा की पैरवी की गई है। इसीलिए भारतीय प्रबंधकीय शिक्षा में भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश और गीता के सार को स्वीकार किया गया है। जब प्रबंधन की शिक्षा गीता के अध्ययन से दिलाई जा सकती है तो शिक्षा में गीता का पाठ क्यों शामिल नहीं किया जा सकता ? जबकि ईसाई मिशनरियों और इस्लामी मदरसों में धर्म के पाठ, धार्मिक प्रतीक चिन्हों के साथ खूब पढ़ाए जाते हैं। गीता ज्ञान की जिज्ञासा जगाने वाला ग्रंथ है। इसीलिए प्राचीन दर्शन परंपरा के विकास में इसकी अहम भूमिका रही है। आदि शंकराचार्य से लेकर संत ज्ञानेश्वर, महर्षि अरविंद, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, विनोवा भावे, डॉ. राधाकृष्णन, ओशो और प्रभुपाद जैसे अनेक मनीषी-चिंतकों ने गीता की युगानुरूप मीमांसा करते हुए, नई चिंतन परंपराओं के बीच नए तत्वों की खोज की है।

राजद्रोह कानून की वैधानिकता

लोकतंत्र में असहमति के अधिकार का प्रश्न

अनूप भटनागर

राजद्रोह के अपराध से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए की संवैधानिक वैधता हालांकि इस समय न्यायिक समीक्षा के दायरे में है, लेकिन इससे बेखबर राज्यों में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोप में लोगों की गिरफ्तारी का सिलसिला अभी भी जारी है। इस बीच, केन्द्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि राजद्रोह के अपराध से संबंधित कानून को निरस्त या उसमें संशोधन करने का उसका इरादा नहीं है। इसके बाद इतना तो निश्चित है कि देश की शीर्ष अदालत को ही इस कानून के इस्तेमाल और इसका दुरुपयोग रोकने के बारे में अपना सुविचारित फैसला सुनाना होगा।

प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने 15 जुलाई को राजद्रोह संबंधी कानूनी प्रावधान की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। मानवाधिकार कार्यकर्ता मेजर-जनरल (अ.प्र.) एसजी वोम्बटकेरे की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश ने कहा था कि यह औपनिवेशिक काल का कानून है और ब्रितानी शासनकाल में स्वतंत्रता संग्राम को दबाने के लिए इसी कानून का इस्तेमाल किया गया था। क्या आजादी के 75 साल बाद भी इसे कानून बनाए रखना आवश्यक है?' हालांकि, अटॉर्नी जनरल वेणुगोपाल ने इन प्रावधानों का बचाव करते हुए उस समय भी कहा था कि इसे कानून की किताब में बने रहना देना चाहिए और न्यायालय चाहे तो इसका दुरुपयोग रोकने के लिए दिशा-निर्देश दे सकता है। कानून मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा को सूचित किया है कि गृह मंत्रालय के पास राजद्रोह के अपराध के आरोप से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए को निरस्त करने या उसमें संशोधन करने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

संसद में सरकार की ओर से दिया गया यह जवाब महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में देश के सेनापति सीडीएस जनरल बिपिन रावत और ब्रिगेडियर लिड्डर सहित सैन्य बल के 13 सदस्यों की हेलिकॉप्टर हादसे में मृत्यु की घटना पर खुशी जाहिर करने वालों के खिलाफ गुजरात और उत्तर प्रदेश सहित देश के कुछ राज्यों में राष्ट्र विरोधी कृत्य के आरोप में कार्रवाई की जा रही है। केन्द्र सरकार इस तथ्य से भली-भांति अवगत है कि राजद्रोह के अपराध से संबंधित कानूनी प्रावधान की वैधानिकता इस समय शीर्ष अदालत के विचाराधीन है और उसने इस संवेदनशील मुद्दे पर उससे जवाब भी मांगा है।

दरअसल, धारा 124ए में राष्ट्रद्रोह की परिभाषा के अनुसार अगर कोई व्यक्ति सरकार-विरोधी सामग्री लिखता या बोलता या ऐसी सामग्री का समर्थन करता है, जिससे असंतोष पैदा हो तो यह राजद्रोह है। यह दंडनीय अपराध है। संसद में असम से सांसद बदरुद्दीन अजमल सरकार से जानना चाहते थे कि क्या हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने राजद्रोह संबंधी कानून को ब्रिटिश काल का बताते हुए कहा है कि इसका दुरुपयोग हो रहा है और क्या न्यायालय ने इस कानून की आवश्यकता और वैधता पर सरकार से जवाब मांगा है।

इस सवाल के जवाब में कानून मंत्री का कहना है, 'उच्चतम न्यायालय के किसी भी फैसले या आदेश में इस तरह की टिप्पणी नहीं मिली है।' सरकार का कहना है कि इस मामले में शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए, 153ए और धारा 505 के प्रावधानों के दायरे और पैमाने की, विशेष रूप से समाचार और सूचनाओं के संप्रेषित करने वाले इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया के अधिकारों और राष्ट्र के किसी भी हिस्से में शासन कर रही सरकार के आलोचकों के अधिकारों के संदर्भ में, व्याख्या करने की जरूरत है। रिजिजू ने कहा कि न्यायालय में दायर याचिकाओं में धारा 124ए को असंवैधानिक घोषित करने का अनुरोध किया गया है। भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय ने बार-बार अपनी व्यवस्था में कहा है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति को किसी भी तरह से राजद्रोह नहीं माना जा सकता। न्यायपालिका ने यह भी कहा है कि समाज में विभिन्न मुद्दों पर विपरीत विचारधारा के लिये असहिष्णुता बढ़ रही है, जो चिंता की बात है।

न्यायपालिका जहां असहमति को लोकतंत्र का सेफ्टी वाल्व मानती है वहीं उसका यह भी कहना है कि असहमति को सिरे से राष्ट्रविरोधी या लोकतंत्र विरोधी बताना लोकतंत्र पर ही हमला है क्योंकि विचारों को दबाने का मतलब देश की अंतरात्मा को दबाना है। शीर्ष अदालत ने हाल ही में पश्चिम बंगाल में कुछ पत्रकारों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निरस्त करते हुए इस बात को दोहराया है कि भारत एक विविधतापूर्ण देश है, जिसमें विचारों और नजरिये में मतभेद होना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में देश के राजनीतिक वर्ग के लिए भी वर्तमान स्थिति पर आत्मचिंतन करने की जरूरत है। नागरिकों के खिलाफ राजद्रोह के आरोपों के बारे में न्यायपालिका की प्रतिकूल टिप्पणियों और विधि आयोग की रिपोर्ट और परामर्श पत्र के मद्देनजर जरूरी है कि सरकार भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए को बरकरार रखने या इसमें उचित संशोधन करने पर विचार करे, ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके।

संसद में केन्द्र सरकार के इस जवाब और शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के 1962 के फैसले के परिप्रेक्ष्य में भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए, 153ए और धारा 505 की वैधानिकता के सवाल का नतीजा कुछ भी निकले लेकिन न्यायपालिका के लिए इन प्रावधानों का दुरुपयोग रोकने के लिए उचित दिशा-निर्देश प्रतिपादित करना जरूरी है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना "विकास या विनाश"

करुणा रघुवंशी
पर्यावरणविद ,समाजसेवक

9 दिसम्बर को केंद्र सरकार ने केन बेतवा लिंक परियोजना को मंजूरी दे दी,2005 को अस्तित्व में आई यह परियोजना जिसकी उस वक्त अनुमानित लागत 7615 करोड़ थी,16 साल के इंतजार के बाद मंजूरी के साथ ही इसकी लागत 45 हजार करोड़ हो गई है।इस योजना में 90 फीसदी केंद्र सरकार और 10 फीसदी राशि राज्य सरकार देगी।इस परियोजना से 1062 लाख हेक्टेयर खेती की सिंचाई का दावा किया जा रहा है।साथ ही 103 मेगावाट जल ऊर्जा और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा व झांसी के पास बरुआ सागर में बिधुत प्लांट लगाने की योजना है।प्रोजेक्ट को 8 सालो में पूरा किया जाएगा।

बी जे पी सरकार कहती हैं योजना से मध्यप्रदेश के पन्ना,टीकमगढ़, छतरपुर, सागर,दमोह,दतिया, शिवपुरी, विदिशा जिले को लाभ होगा वही उत्तरप्रदेश के महोबा ,झांसी,बाँदा,हमीरपुर और। ललितपुर लाभांवित होंगे।

हमारी विकास की संकल्पना से ओतप्रोत सरकार जिसने विकास का डंका पूरी दुनिया मे बजवा दिया ,हम विकास के मामले में धरती के सारे देशों से आगे हो गए है ,ये बताने की कोशिश हर बिल,या प्रोजेक्ट को मंजूरी देने के पहले बताया जाता है बल्कि अपनी योजनाओं को बताने में ही जनता की खून पसीने की कमाई को जितना खर्च किया जाता हैं उसका ही एक प्रतिशत लाभ जनता को नही मिल पाता है।वर्तमान सरकार के सारे निर्णय में कोई दुष्प्रभाव होता ही नही है, उनके सारे निर्णय देशहित में ही होते है ,हा ये बात अलग है कि देश का मतलब ही व्यक्ति विशेष या पार्टी विशेष हो गया है।

सरकार हर निर्णय के बाद यही दलील देती है कि हम विकास कर रहे हैं, सही है? कर ही रहे होंगे (बस दिख नही रहा है) लेकिन विकास किन शर्तो पर हो रहा है यह भी मायने रखता है । कही विकास की बुनियाद विनाश तो नही है? केन-बेतवा लिंक परियोजना में विकास से ज्यादा विनाश होगा और यह बात 20089 में तत्कालीन पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश जी ने स्पष्ट कही भी और उनके कार्यकाल में ऐसी किसी परियोजना को मंजूरी नही दी गई थी।केन-बेतवा जैसी नदियों का प्राण क्षेत्र ही इनके आस पास पाए जाने वाले जँगल होते हैं क्योंकि इनकी जड़ो में संचित जल ही इन नदियों को जीवित रखता है ,और इस परियोजना में सरकारी आकड़ो के खेल के वावजूद 23 लाख पेड़ की गणना की गई है जो सैकड़ों साल पुराने है और इस परियोजना में काटे जाएंगे लेकिन वास्तव मे इन पेड़ों की संख्या 55 लाख से भी ज्यादा है,तो किसी भी सामान्य व्यक्ति का अनुमान लगाना आसान है कि इसका पर्यावरण पर ,पारिस्थितिक तंत्र पर कितना बड़ा दुष्प्रभाव पड़ेगा।जब यह हरित क्षेत्र ही नही होगा तो नदियों में पानी कहा से आएगा।

पन्ना टाइगर रिजर्व की 6 हजार हेक्टेयर जमीन इसकी जद में आएंगी,ये क्षेत्र टाइगर के साथ साथ गिद्धों की बहुत बड़ी संख्या के लिये भी प्रसिद्ध हैं।यहाँ अनेक प्रकार के वन्यजीव पाए जाते है जो इस परियोजना के बाद डूब क्षेत्र में आने से विलुप्त हो जाएंगे। बहुत बड़ी Biodivercity के खत्म होने का खतरा बढ़ ही नही जाएगा बल्कि खत्म ही हो जाएगा।इस परियोजना से आदिवासी गांव daudn की 9000 हेक्टेयर भूमि डूब क्षेत्र में आ जायेगी,इस कारण इन ग्रामो में रहने वाले लोगो के प्रवास पर भी प्रभाव पड़ेगा। आदिवासी समुदाय द्वारा बार बार इसकी लिखित कॉपी प्रशासन से मांगी गई लेकिन वह आजतक भी उन्हें उपलब्ध नहीं कराई गई है।सुप्रीम कोर्ट ने इसलिए cental impowerd commitee गठित की थी ताकि केंद्र सरकार उन्हें रिपोर्ट देगी लेकिन ऐसे होते दिख नही रहा है।

दुनिया में कही भी नदियों को जोड़ने की परियोजना सफल नही हो पाई है इसके दुष्परिणाम ही ज्यादा सामने आए हैं ,फिर भी बिना सम्बंधित विषयो के विशेषज्ञों से सलाह मशविरा किये कोई भी परियोजना को उसके दूरगामी दुष्परिणाम सोचे बिना मंजूरी देना ,वर्तमान सरकार का फैशन से बन गया हैं।

हमे याद रखना चाहिए कि नदी या जँगल कोई वस्तु नही है नदियों के किनारे ही सारी सभ्यताओं ने जन्म लिया है,लाखो करोड़ो जीव -जंतु मानव,स्थानीय सभ्यता इन नदियों के किनारे पलती है और नदियों के अविरल बहने में ही उसकी जीवंतता है,उसी तरह जँगल भी मात्र एक पेड़ो का समूह नही होता है।लाखो करोड़ो वर्षों के क्रमबद्ध विकास का परिणाम होता है जँगल।

जिस तरह जंगल के ऊपरी हिस्से में वन्यप्राणियों की एक दुनिया होती हैं उसी तरह जँगल में जमीन के नीचे भी एक पूरा पारिस्थितिक तंत्र विकसित होता है।इसलिए एक नदी की अविरलता को बांधना मतलब लाखो वर्षों की सभ्यता और संस्कृति जो उस नदी के किनारे विकसित हुई हैं उसे विकास के नाम पर एक झटके में खत्म कर देना है।

समस्त हिंदुस्तान की सरकार चाहे वह किसी भी राज्य की हो न तो उन्हें जंगलो की चिंता है न नदियों की।देश की तमाम जीवनदायिनी नदियां चाहे वह गंगा ,यमुना ,नर्मदा,गोदावरी,कावेरी या अन्य कोई भी आज स्वयं अपने जीवन के लिए लड़ रही है,इन नदियो और जंगलो के लिए बलिदान देने वालो की भी फेहरिस्त लम्बी है लेकिन सरकारों को अपनी वाहवाही और तिजोरी भरने के अलावा किसी चीज की चिंता वर्तमान में दिखाई नही दे रही है, विकास विदेशों में भी होता है लेकिन अपने प्राकृतिक संसाधनों को पहले सुरक्षित किया जाता है।

क्योंकि हम लाख विकास कर ले हमे जीवित रहने के लिए हवा,अन्न,पानी की ही आवश्यकता होगी और वह इन पवित्र जीवनदायिनी नदियों और जंगलो से मिल सकती है।सरकारो को भी इस तरह की परियोजनाओं को मंजूरी देने के पहले मानवता का दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

आम जनता को भी नदियों और जंगलो को बचाने हेतु जागरूक ही नही होना ही पड़ेगा बल्कि आंदोलन से भी पीछे नही हटना चाहिए क्योंकि जब सड़के सुनी हो जाती हैं तो संसद आवारा हो जाती है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त समाचार

हिंदू मुस्लिम एकता प्रदर्शनी का आयोजन किया

संवाददाता, सिकन्दराराऊ में कोरोना संक्रमण के चलते पिछले वर्ष नहीं लग पाई थी। जीटी रोड स्थित ईदगाह रोड पर हिंदू मुस्लिम एकता प्रदर्शनी का इस बार धूमधाम के साथ जनता द्वारा फीता काटकर आयोजन किया गया। जिसमें लगने के लिए खेल तमाशे झूला सर्कस व अन्य प्रकार की सामानों की दुकानें खुल गई है। और हलवा पराठा छोले भटूरे गोलगप्पे आइसक्रीम दुकान आ गई है। वही इस दौरान जानकारी देते हुए हिंदू मुस्लिम एकता प्रदर्शनी के आयोजक लोकेश तोमर व मुवीन अंसारी ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा है कि कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सिंह ने पुलिस पीएसी के जवान बल तैनात कर दिए गए। जिसमें अबकी बार क्षेत्र के लोगों के मनोरंजन के लिए झूला मौत का कुआं सर्कस डांस पार्टी काला जादू विभिन्न प्रकार के सामानों की दुकानें आ चुकी है। गुरवार को जनता ने फीता काटकर शुभारंभ किया गया। वहीं कस्बे के लोगों की हिंदू मुस्लिम एकता प्रदर्शनी में भीड़ आना शुरू हो गई है।

नकदी सहित लाखों रुपये का अनाज ले आढ़तिया हुआ फरार

संवाददाता, एटा। जैथरा थाना क्षेत्र के सहोरी निवासी एक व्यक्ति ने धुमरी निवासी विपिन सहित पांच पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने आठ लाख रुपये सहित लाखों का अनाज खरीद कर फरार हो जाने का आरोप लगाया है। गांव विरामपुर निवासी संजीव कुमार व जैथरा थाना क्षेत्र के सहोरी निवासी सूरजपाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया 20 जून 2020 को संजीव ने धुमरी में विपिन गुप्ता की आढ़त पर 23 क्विंटल मक्का, सहोरी निवासी लेखराज ने 66 क्विंटल मक्का व 17 क्विंटल गेहूं, 20 क्विंटल सरसों बेची। सहोरी के ही सूरजपाल ने भी 140 क्विंटल सरसों, 200 क्विंटल मक्का, 250 क्विंटल गेहूं बेचा। आरोप है कि विपिन गुप्ता ने धुमरी के ही ललित गुप्ता से 8 लाख 50 हजार रुपये गल्ला खरीद के लिए उधार लिए। विपिन उधार के इन रुपयों सहित अपने साले संजीव गुप्ता निवासी बढ़ौला थाना सिकंदरपुर वैश्य व बहनोई मनोज गुप्ता निवासी जैथरा, मामा जगदीश गुप्ता निवासी धुमरी आदि के भी रुपये लेकर फरार हो गया। थानाध्यक्ष सुधीर राघव ने बताया कि आढ़तिया ने कई लोगों के रुपये की बेईमानी की है। सभी ने उसके खिलाफ तहरीर दी है। रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पैसों के लेनदेन को लेकर आपस में झगड़ रहे पांच लोगों पर पुलिस ने की शांतिभंग की कार्यवाही

संवाददाता, मैनपुरी/बिछवां। बीते मंगलवार की रात कस्बा बिछवां फ्लाईओवर के समीप पांच युवक पैसे के लेनदेन को लेकर झगड़ा कर रहे थे। झगड़ा करते हुए पांचों युवकों में आपस में मारपीट होने लगी झगड़े की सूचना थाना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस झगड़ा कर रहे पांचों युवकों को गिरफ्तार कर थाने ले आए। जिन्हें लिखा पढ़ी कर शांतिभंग में पाबंद करते हुए एसडीएम न्यायालय भेज दिया। बीते मंगलवार की शाम थाने में तैनात उपनिरीक्षक विमल कुमार गश्त पर थे। तभी किसी ने सूचना दी कि कस्बा स्थित फ्लाईओवर के समीप कुछ लोग पैसे के लेनदेन को लेकर झगड़ा कर रहे हैं। साथ ही मारपीट हो रही है सूचना पर उप निरीक्षक मौके पर पहुंचे साथ ही झगड़ा कर रहे। अजय कुमार पुत्र जनवेद आशीष पुत्र रामनरेश निवासी कस्बा बिछवां अमरजीत पुत्र विजेंद्र सिंह निवासी कंचनपुर थाना अलीगंज जनपद एटा मनोज कुमार पुत्र नत्थू लाल निवासी मरहला थाना मोहम्मदाबाद जनपद फरुखाबाद एवं सुनील पुत्र राम जी लाल निवासी नगला झम्मन थाना कुरावली को गिरफ्तार कर थाने ले आए पकड़े गए। युवकों को पुलिस में लिखा पढ़ी कर शांति भंग में पाबंद करते हुए एसडीएम न्यायालय भेज दिया है।

जन विश्वास यात्रा को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में किया सम्पर्क

संवाददाता, सिकन्दराराऊ भाजपा की जन विश्वास यात्रा के 20 दिसम्बर को सिकंदराराऊ आगमन ऐतिहासिक व भव्य स्वागत करने के लिये विधानसभा प्रभारी लक्ष्मण सिंह सेंगर द्वारा बुधवार को अनेक देवी नगर जंक्शन, कैलोरा आदि ग्रामों का दौरा करके लोगों को जन विश्वास यात्रा में शामिल होने की अपील की। वहीं यात्रा को लेकर एक बैठक का आयोजन करके पदाधिकारियों के साथ तैयारियों कोलकर रूपरेखा बनायी गयी। इस दौरान यात्रा प्रभारी लक्ष्मण सिंह सेंगर ने कहा कि विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं है और अखिलेश यादव अपनी इस हार की बौखलाहट से अभी से ही मानसिक रूप से दिवालिया हो गए है। उनका यह बयान के देश के यशस्वी प्रधानमंत्री अब बनारस में ही अंतिम समय में रहे उनके दिवालियापन को साबित करता है। सेंगर ने कहा कि भाजपा की सरकार 2017 में प्राप्त 325 सीटों से भी अधिक सीटें 2022 में प्राप्त करेगी। जनसंपर्क कार्यक्रम में हाथरस जंक्शन के पूर्व प्रधान सोमेंद्र सिंह, कुमोद कुमार, ओपी सिंह, राजकुमार, समीर इत्यादि लोग शामिल थे।

मस्जिद की जमीन के फर्जी कागज बनाकर बेचनें के प्रयास का आरोप

डीएम से जमीन को खाली कराने की मांग आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो

» संवाददाता

सिकन्दराराऊ कस्बा के पुरानी तहसील रोड फारूखीयान वाली गली स्थित मस्जिद के समीप इमामवाडे की जमीन के फर्जी कागजात बनाकर उस पर कब्जा करके बेचने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुये मस्जिद के मुतवल्ली अमान फारूकी ने घटना की दो नामजद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिये कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है।

जानकारी के अनुसार मौहम्मद अमन पुत्र मौ० रफी निवासी मौहल्ला मटकोटा मुत्तवल्ली मस्जिद फारूखयान शकूर हलवाई वाली गली ने कोतवाली में तहरीर देते हुये आरोप लगाया है। बक्फ संख्या 104 मस्जिद वाली जमीन को समाज के दो नामजद युवकों को काफी समय पहले रहने के लिये दे दिया था। जिस जमीन पर उक्त नामजद भाइयो ने कब्जा करके उसके फर्जी कागजात बनाकर उसको बेचने का प्रयास किया जा रहा है। जो पूर्ण रूप से अवैध है और धोखाधडी के अंर्तगत आता है जिसके चलते दोनो नामजदों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके कार्यवाही की जाये।

फारूकी समाज के अध्यक्ष फैजान भारती ने पत्रकारों को बताया है कि उक्त मकान फारूखयान समाज के इमामवाडे की जमीन है। जिसमे दोनो भाइयों की हालत खस्ता देखकर इनको रहने के लिये दे दिया गया था। लेकिन इनके द्वारा फर्जी कागजात बनाकर उसको बेचने का प्रयास किया जा रहा है जो बिल्कुल गलत है जिसका समाज के लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है। वहीं भारती ने कहा है मस्जिद व इमामवाडे की इस जमीन के अलावा दूसरी जमीन भी है जिसको भी शीघ्र खाली कराया जायेगा। तथा जिलाधिकारी रमेश रंजन से मांग की है कि उक्त बक्फ की जमीन को खाली कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की जाये।

प्रेस वार्ता के दौरान परवेज फारुकी अकरम फारुकी वसीम फारूकी मौजूद थे।

युवा बेरोजगार घूम रहा है, सरकार गुमराह कर रही है: महेंद्र सिंह सोलंकी

» संवाददाता

सिकन्दराराऊ सपा नेता व पूर्व जिला महासचिव महेन्द्र सिंह सोलंकी ने विधानसभा क्षेत्र के गांव नगला हरी, सराय, महामई, जिरौली कलां, जिमिसपुर आदि गांव का भ्रमण कर लोगों से जनसंपर्क कर समस्याएं सुनी। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान सपा नेता व पूर्व जिला महासचिव महेंद्र सोलंकी ने कहा प्रदेश की भाजपा सरकार में आमजन त्राही त्राही कर रहा है महंगाई चरम पर है। युवा बेरोजगार घूम रहा है किंतु प्रदेश की भाजपा सरकार रोजगार के नाम पर युवाओं को गुमराह करने का काम कर रही है क्षेत्र की 80: सड़कें टूटी हुई है किन्तु जनप्रतिनिधि खुद का विकास करने में मसगूल है।

भ्रमण के दौरान पूर्व ब्लाक प्रमुख डंबर सिंह, हरवीर सिंह तोमर, रामेश्वर पहलवान जिला पंचायत सदस्य, वीरेंद्र जादौन, जितेंद्र पचौरी, रिंकू यादव, ड बंगाली यादव, अरविंद यादव, उपेंद्र यादव, अमन यादव, अखिलेश यादव, सुभाष बघेल, तिर्मल यादव, सत्यम यादव, देवेंद्र बघेल, राजेश बघेल, करण यादव, पुष्पेंद्र पुंढीर, रामू यादव, राजा उपाध्याय आदि थे।

जिलाधिकारी ने प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय बरनाहल का किया औचक निरीक्षण

» संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालय बरनाहल का औचक निरीक्षण कर विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी शैक्षिक गुणवत्ता परखते हुए उपस्थित शिक्षकों से कहा कि विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों के कैरियर की जिम्मेदारी आपके ऊपर है, आप अपने अनुभव का लाभ बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर उन्हें दें, नियमित रूप से विद्यालय आकर बच्चों को मेहनत के साथ पढ़ायें, जो बच्चे विद्यालय से निरंतर अनुपस्थित रहें, उनके अभिभावकों से संवाद कर बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करें, क्षेत्र के ऐसे बच्चे जो किसी विद्यालय में पंजीकृत नहीं है, उनके अभिभावकों को भी प्रेरित कर बच्चों को शिक्षा प्रदान कराने के लिए जागरूक करें।

श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान कक्षा 05 के छात्र आमीन से 17 एवं छात्रा सायरा से 19 का पहाड़ा सुना, दोनों बच्चों ने सही पहाड़े सुनाएं, जिस पर उन्होंने बच्चों की प्रशंसा की, बच्चों ने बताया कि आज मध्यान्ह भोजन में उन्हें तहरी, दूध दिया गया, प्रतिदिन मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने जानकारी करने पर पाया कि प्राथमिक विद्यालय बरनाहल में विधानसभा सामान्य निवार्चन हेतु बूथ संख्या-138, 139 स्थापित है जबकि पूव 'माध्यमिक विद्यालय में बूथ संख्या-135, 136, 137 स्थापित है। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बरनाहल को निर्देशित करते हुए कहा कि निवार्चन के दृष्टिगत दोनों विद्यालयों में मूल-भूत सुविधाएं मुहैया रहें, जो कमियां हैं उन्हें तत्काल दूर किया जाये।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार राय, प्रभारी निरीक्षक बरनाहल रजित वमा, अधिशासी अधिकारी बरनाहल डा. कल्पना बाजपेई आदि उपस्थित रहे।

पंडित रामेश्वर दयाल मिश्र की पुण्यतिथि पर निशुल्क चिकित्सा परामर्श और कंबल वितरण समारोह का हुआ आयोजन

» संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने पं. रामेश्वर दयाल मिश्र की पुण्यतिथि के अवसर पर निःशुल्क चिकित्सा परामश 'शिविर एवं कंबल वितरण समारोह में निर्धन व्यक्तियों को कबंल उपलब्ध कराते हुए कहा कि गरीब, असहाय की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि मिश्रा परिवार ने आज समाज के गरीब व्यक्तियों को निःशुल्क चिकित्सा सेवा एवं कबंल उपलब्ध कराकर अपनी करूणा, दया, सामाजिक उत्तरदायित्व का भाव दर्शाया है, समाज के सक्षम वर्ग के अन्य व्यक्तियों को भी इनसे प्रेरणा लेकर जरूरतमंदों की सेवा करें, गरीबों को उपलब्ध कराया गया कबंल उन्हें सर्दी से बचाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि समाज का हर व्यक्ति दूसरों के हितों को ध्यान में रखकर कार्य करें, ऐसा कोई कृत्य न करें जिससे किसी को पीड़ा पहुंचे।

श्री सिंह ने कायक्रम में उपस्थित लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि शासन की संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी कर उनका लाभ लें, गरीबों के सर्वांगीण विकास, उनके आर्थिक उत्थान के लिए तमाम योजनाएं संचालित हैं, कोरोनाकाल में कोई व्यक्ति भूखा न रहे इसके लिए प्रधानमंत्री अन्न कल्याण योजना लागू कर प्रत्येक पात्र गृहस्थी राशनकार्ड, अंत्योदय राशनकाड 'धारक को निःशुल्क खाद्यान्न मुहैया कराया जा रहा है, इस माह प्रत्येक राशन कार्डधारक को गेहूं, चावल के साथ 1 किग्रा. तेल, 1 किलो चना, 1 किलो नमक भी उपलब्ध कराया जा रहा है, सभी राशन कार्ड 'धारक अपने संबंधित कोटेदार से सामग्री प्राप्त करें यदि किसी को कोई समस्या हो तो तत्काल जिला पूर्ति 'अधिकारी के संज्ञान में लाएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि श्रमिकों के कल्याणार्थ श्रम विभाग में भी कई योजनाएं संचालित हैं, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक तत्काल ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण कराकर श्रम विभाग की योजनाओं का लाभ प्राप्त करें, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित समूह से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधारें।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार राय ने कहा कि समाज के जागरूक व्यक्ति जरूरतमंदों की सेवा कर अपने कतर्व्य को निभाते हैं, सभी लोग ऐसे व्यक्तित्व के लोगों से प्रेरणा लेकर गरीबों की मदद करें, जिस व्यक्ति के मन के अंदर जरूरतमंद की मदद करने की भावना होती है वही असली मानव है।

इस अवसर पर प्रमोद कुमार मिश्रा, डा. मृदुल शर्मा, डा. अनिल शर्मा, डा. दिलीप कुमार मिश्रा, डा. सोनिया भट्ट, डा. अपूर्वा जैन, डा. अन्नू जैन, सवेर्श कुमार दुबे, प्रशांत कुमार मिश्रा, कमलेश दीक्षित, शैलेन्द्र दीक्षित, आदित्य भरद्वाज, प्रमोद कुमार दीक्षित, मन्नू सहगल, उमाशंकर शुक्ला, आदि उपस्थित रहे, कायर्क्रम का संचालन अनिल दीक्षित ने किया।

आचार्य पूज्य स्वामी रामचन्द्रदास जी महाराज संयोजन से हिन्दू एकता महाकुम्भ का आयोजन

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज ने चित्रकूट में आयोजित हिन्दू एकता महाकुम्भ में सहभाग कर पर्यावरण और नदियों के संरक्षण के विषय पर उद्बोधन दिया। इस दिव्य मंच से मन्दाकिनी और यमुना आदि नदियों की स्वच्छता और अविरलता के विषयों पर विशद चर्चा हुई। इस दिव्य महाकुम्भ का कुशल संचालन पूज्य स्वामी ज्ञानानन्द जी महाराज ने किया।

हिन्दू एकता महाकुम्भ के अवसर पर माननीय सर संघसंचालक, राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ श्री मोहन भागवत जी के उद्बोधन ने सब के अन्दर मानों प्राणतत्व ही डाल दिया। उनके संकल्प ने सभी को एक सूत्र में बांध दिया। उसके पश्चात सभी ने एक नई ऊर्जा, उमंग, उत्साह देखना जैसा था। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के उद्घोषन से पूरा सभागार गूंज गया।

श्री गुरुकार्ष्णि पीठाधीश्वर पूज्य गुरुशरणानन्द जी महाराज ने भगवान श्री राम जी की वाणी और आचरण को आत्मसात करने का संदेश दिया।

पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज ने कहा कि समाज में अनेक तरह के प्रदूषण है -भीतर, बाहर, वैधानिक, वैचारिक, सांस्कृतिक प्रदूषणों को दूर करने के लिये सोच को प्रदूषण मुक्त करना होगा तथा जनसंख्या नियंत्रित करनी होगी। हमें हम दो हमारे दो, सबके दो, जिसके दो उसी को दो का सूत्र लागू करना होगा।

पूज्य स्वामी जी ने 1999 में काशी के पवित्र घाट पर शुरू की विश्व विख्यात गंगा आरती का जिक्र करते हुये कहा कि हमारे धर्मग्रंथों हमें पर्यावरण और नदियों के संरक्षण का संदेश देते है। हमारे शास्त्रों में बड़ी ही दिव्यता से कहा गया है माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्या: । यजुर्वेद में भी कहा गया है- नमो मात्रे पृथिव्यै, नमो मात्रे पृथिव्या:। पृथ्वी हमारी माता है और हम उनकी संतान है इसलिये हम समाधान का हिस्सा बनें समस्या का नहीं।

हमारे धर्म ग्रंथ हमें वसुधैव कुटुम्बकम् का भी संदेश देते है, अर्थात पूरी दुनिया एक परिवार है और इसमें केवल मनुष्य ही नहीं बल्कि समस्त जीव-जंतु हमारा परिवार हैं। यजुर्वेद में द्यौः शांतिरंतरिक्षं शांतिपाठ के माध्यम से हमारे ऋषियों ने सर्वशक्तिमान से समस्त पृथ्वी, वनस्पति, परब्रह्म सत्ता, संपूर्ण ब्रह्मांड और कण-कण में शांति की प्रार्थना की हैं। अतः हम हड़प्पन की संस्कृति से हरित संस्कृति की ओर बढ़े। भारतीय संस्कृति हमें मानवीय मूल्यों को विकसित करने का संदेश देती है इसलिये हमें युवाओं में उपभोग करो और फेंक दो की संस्कृति नहीं बल्कि उपभोग करो और उगाओं की संस्कृति विकसित करनी होगी तभी हम एक उज्जवल, सुरक्षित, स्वस्थ, हरित भविष्य का निर्माण कर सकते है और इसके लिये हमें लोकल के लिए वोकल और सोशल बनाना होगा।

पूज्य श्री श्री रविशंकर जी ने कहा कि जहां पर हिन्दू संत एकत्र होते हैं वहां अभय होता है। हिन्दू संस्कृति सभी को अपनाने की संस्कृति है, सब को अपनाना यही प्रेम का मंत्र है। उन्होंने कहा कि देशभक्ति और देव भक्ति एक सिक्के के दो पहलू है।

जगद्गुरु निबांकाचार्य पूज्य श्यामशरण देवाचार्य जी महाराज ने कहा कि हिन्दू एकता को विभाजित करने वाली संस्कृति को विराम लगाना आवश्यक है।

पूज्य साध्वी ऋतम्भरा दीदी जी ने कहा कि हमें शिक्षा, नारी शक्ति, संस्कार और संस्कृति की रक्षा के लिये कार्य करने की जरूरत है।

निर्मलपीठाधीश्वर पूज्य स्वामी ज्ञानदेव सिंह जी महाराज ने कहा कि हिमालय के पर्वत से लेकर कन्याकुमारी तक पूरा राष्ट्र एक है। सब के घट में श्री राम है।

ज्योतिर्पीठाधीश्वर जी ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और गौ रक्षा के साथ संस्कृत पाठशाला की रक्षा के लिये कार्य करना है। उन्होंने भारत सरकार से निवेदन किया कि संस्कृत को अनिवार्य करना जरूरी है और इसके लिये संस्कृत शिक्षकों को तैयार करना होगा।

आचार्य लोकेश मुनि जी ने कहा कि हिन्दू एकता बहुत आवश्यक है। गर्व से कहो हम हिन्दू है। हमारी एकता और अखंडता बनी रहे

पूज्य स्वामी प्रवेशानन्द जी महाराज ने कहा कि चित्रकूट पर जो चित्र अंकित हुआ है वही एकता का चित्र पूरे देश में भी बनाना है।

पूज्य स्वामी जी ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने का व जल शुद्धि का संकल्प करवाया। हिन्दू एकता महाकुम्भ के मंच से सभी पूज्य संतों ने अपने अनमोल और प्रेरक विचार रखे।

मोबाईल बैंकिंग के जरिए जिला में फर्जीवाडा बढा, 2 मामलें दर्ज

» संवाददाता

नूंह/मेवात। प्रदेश के सबसे पिछडे जिला नूंह(मेवात) में बेशक से लोगों द्वारा अन्य जिलों से अधिक मोबाईल फोन का इस्तेमाल करने का दावा किया गया है लेकिन मोबाईल बैंकिंग के अलावा साईबर क्राईम के मामलों में जिलावासी सर्वाधिक ठगे जा रहे हैं। अनपढता के चलते स्मार्टफोन की अपनी गोपनीयताएं किसी को बताने व अपना ओटीपी नम्बर अन्य को देने या अन्य कारण से रोज किसी न किसी के बैंक खातों से फर्जी तरीके से पैसे निकाले जा रहे हैं। जबकि उपायुक्त नूंह के अलावा पुलिस कप्तान नूंह ने कई बार जिलावासियों को इसके प्रति जागरूक किया हैं। ताजा आए मामलों में शिकायतकर्ता रमेश चंद पुत्र समपत राम निवासी गांव पाठखोरी थाना फिरोजपुर झिरका ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसका एसबीआई बैंक में खाता है और अज्ञात व्यक्ति ने उसके बैंक खाता से फर्जीवाडा करके 56024 रू0 निकालकर फर्जीवाडा कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे छानबीन शुरू कर दी। जबकि अन्य मामलें में शिकायतकर्ता खुर्शीद पुत्र ईसान निवासी गांव घासेडा थाना सदर नूंह ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि अज्ञात व्यक्ति ने उसके फोनपे नम्बर से अपने नम्बर पर 90,000/-रू0 ट्रांसफर कर लिये। पुलिस ने मामले दर्ज कर आगे छानबीन शुरू कर दी। इस मामलों के आरोपी फरार है। वहीं, जिला पुलिस ने माना कि ऑनलाईन तरीके से बैंकिंग में फर्जीवाडे के मामलें बढ रहे हैं और जिला पुलिस ने नजदीकी थाना में साईबर हैल्प डैस्क की स्थापना के अलावा अपनी शिकायत नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर व साइबर दोस्त हेल्पलाइन 155260 पर भी दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने स्मार्टफोन का इस्तेमाल पूरी तरह से सतर्क होकर करने की भी हिदायत दी है।

गुटका व तम्बाकू की उप मण्डल में की जा रही बिक्री पर रोक के लिए पहल शुरू -उप मण्डलाधीश तावडू

» संवाददाता

नूंह/मेवात। उप मण्डल स्तर के छोटे शहर तावडू उप मण्डल में गुटका व तम्बाकू उत्पादन की बिक्री को जड से खत्म करने के लिए उप मण्डल प्रशासन ने कवायद शुरू किए हैं। उप मण्डल प्रशासन की माने तो सरकार की गाईडलाईन के तहत यह कदम उठाया गया है और उसी के तहत शहर व ग्रामीण क्षेत्र में इसकी बिक्री कर रहे दुकानदारों को बिक्री न करने के दिशा निर्देश दिया जा रहा है। उप मण्डलाधीश सुरेन्द्र पाल ने बुधवार सांय खबर नवीसों से बातचीत में कहा कि सरकार ने गुटका पर पहले से ही प्रतिबंध लगा रखा हैं। अब गुटका, तम्बाकू व उसके उत्पादन की बिक्री न करने के लिए निर्देश मिले हैं। इसी के अन्तर्गत शहर व ग्रामीण इलाकों के छोटे-बडे दुकानदारों को इसकी बिक्री न करने व लोगों को इसके सेवन से मानव शरीर पर होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया जा रहा हैं। हांलाकि, गुटका, तम्बाकू उत्पादनों पर उनके इस्तेमाल से मानव शरीर को होने वाली क्षति का पूरी तरह से उल्लेख भी किया हुआ है। लेकिन इसके बावजूद लोग उनका इस्तेमाल कर जानलेवा घातक बीमारियों की गिरफ्त में आ रहे हैं।

उधर, दूसरी तरफ तावडू शहर में प्रत्येक बुधवार को अतिक्रमण अभियान की शुरूआत न होने से उप मण्डलाधीश ने इस पर भी संज्ञान लिया हैं। उप मण्डलाधीश ने नपा प्रशासन को एक कडा पत्र लिखकर इसके लिए निर्देश जारी किए हैं। उप मण्डलाधीश ने कहा कि नगरपालिका प्रशासन ने प्रत्येक बुधवार को शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान बदस्तूर चलाने का भरोसा दिलाया था लेकिन नपा प्रशासन द्वारा कथिततौर से इसमें बरती जा रही लापरवाही के लिए, फिर से पत्र लिखा गया है।

पवनदीप राजन के 'फुरसत' का टीजर आउट, सॉन्ग लॉन्च इवेंट में शामिल नहीं होंगी अरुणिता कांजीलाल !

इंडियन आइडल फेम अरुणिता कांजीलाल को रिप्लेस करने की घोषणा के बाद मेकर्स ने आखिरकार 'फुरसत' गाने का टीजर लॉन्च कर दिया है. ऑक्टोपस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित पवनदीप राजन और राज सुरानी का दूसरा गाना है. 'फुरसत' का पूरा गाना ऑक्टोपस एंटरटेनमेंट यूट्यूब चैनल पर जारी किया जाएगा. इस गाने का इंतजार पवनदीप राजन के फैंस लंबे समय से कर रहे हैं. इस गाने में पवनदीप काफी स्टाइलिश लग रहे हैं.

'फुरसत' के इस रोमांटिक को आवाज दी है पवनदीप राजन और अरुणिता कांजीलालने तो वहीं इस गाने के वीडियो में पवनदीप के ऑपोजिट चित्रा शुक्ला नजर आ रही हैं. 30 सेकेंड के इस टीजर में चित्रा और पवनदीप की जोड़ी काफी दिलचस्प लग रही है. हालांकि, इस वीडियो सॉन्ग में मेकर्स पवनदीप राजन के साथ अरुणिता कांजीलाल को कास्ट करना चाहते थे लेकिन उन्होंने गाने के साथ-साथ वीडियो करने से मना कर दिया था.

इस गाने के बारे में बात करते हुए पवनदीप ने कहा, 'पिछले गाने से बहुत सारा प्यार मिलने के बाद मैं कुछ ऐसा ही एक्साइटिंग काम करना चाहता था. सिंगिंग मेरा पैशन है और मैं एक्टिंग में भी सहज हो रहा हूं. इसका क्रेडिट राज सुरानी को जाता है. ये पहली बार है कि मैं चित्रा के साथ काम कर रहा हूं. मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझे और चित्रा को साथ में पसंद करेंगे. वहीं, राज सुरानी ने कहा, 'यह चित्रा के साथ मेरा पहला म्यूजिक वीडियो है. गाने की डिमांड के हिसाब से उन्होंने शानदार काम किया है.'

राज सुरानी ने कहा, 'हमारा एक मात्र लक्ष्य पब्लिक को एंटरटेन करना है. मुझे उम्मीद है कि दर्शक दोनों को पसंद करेंगे.' आपको बता दें कि यह म्यूजिक वीडियो 16 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा. खबरों की मानें तो अरुणिता को म्यूजिक लॉन्च के लिए आमंत्रित नहीं किया जा सकता है क्योंकि उनकी उपस्थिति काफी हद तक राज सुरानी के गाने को छोड़ उनके हालिया विवाद पर ध्यान शिफ्ट हो जाएगा.

आपको बता दें कि दोनों पहले भी म्यूजिक वीडियो में साथ नजर आए थे जो काफी हिट रही थी लेकिन अरुणिता ने पवनदीप के साथ काम करने से इंकार कर दिया जिसके बादद पवनदीप और अरुणिता के फैंस निराश हो गए थे. ई-टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अरुणिता के पैरेंट्स इंडियन आइडल में दिखाए गए उनके लव ट्रैक से खुश नहीं थे. जब राज सुरानी ने दोनों के तीन म्यूजिक वीडियो का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था. तब भी अरुणिता के पिता ने साफ कर दिया था कि वीडियो में इंटिमेट सीन नहीं होने चाहिए.

'फुरसत' का पूरा गाना ऑक्टोपस एंटरटेनमेंट यूट्यूब चैनल पर जारी किया जाएगा. इस गाने का इंतजार पवनदीप राजन के फैंस लंबे समय से कर रहे हैं. इस गाने में पवनदीप काफी स्टाइलिश लग रहे हैं. 'फुरसत' के इस रोमांटिक को आवाज दी है पवनदीप राजन और अरुणिता कांजीलाल ने तो वहीं इस गाने के वीडियो में पवनदीप के ऑपोजिट चित्रा शुक्ला नजर आ रही हैं. 30 सेकेंड के इस टीजर में चित्रा और पवनदीप की जोड़ी काफी दिलचस्प लग रही है. इस वीडियो सॉन्ग में मेकर्स पवनदीप राजन के साथ अरुणिता कांजीलाल को कास्ट करना चाहते थे लेकिन उन्होंने गाने के साथ-साथ वीडियो करने से मना कर दिया था.

धनुष ने आखिर क्यों 'अतरंगी रे' को बताया सबसे मुश्किल फिल्म? जानें

मशहूर डायरेक्टर आनंद एल राय के निर्देशन में बनी फिल्म 'अतरंगी रे' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज़ हुआ है. जिसमें आपको गज़ब का लव ट्राइंगल देखने को मिलेगा. जहां खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार , सारा अली खान के साथ साउथ स्टार धनुष ने गज़ब का किरदार निभाया है. इस बीच हाल ही में धनुष ने फिल्म को लेकर कहा है कि ये उनके लिए काफी मुश्किल रहा, इसके लिए उन्होंने काफी मेहनत की.

धनुष ने एक मीडिया वेबसाइट से बात करते हुए कहा, यह एक बहुत ही दिलचस्प फिल्म है. हमने अतरंगी रे की शूटिंग के दौरान काफी अच्छा समय बिताया, लेकिन समान रूप से हमें वास्तव में कड़ी मेहनत करनी पड़ी. क्योंकि असल में यह एक कठिन फिल्म थी और आप देख सकते हैं, हमने इसे पा लिया.

उन्होंने आगे कहा, आनंद एल राय के साथ काम करना घर वापस आने जैसा है. हमने एक साथ काम करते हुए एक धमाकेदार फिल्म बनाई. मैं उन्हें किसी और से ज्यादा समझता हूं और वह भी मुझे बेहतर तरीके से समझते हैं. सारा के साथ काम करना वास्तव में एक अच्छा अनुभव था. वह वास्तव में एक है मेहनती लड़की हैं. उन्होंने इस रोल को निभाने के लिए काफी कुछ किया. मेरी तरफ से उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं.

इसके अलावा धनुष ने अक्षय कुमार के रोल पर बात करते हुए कहा कि उन्होंने फिल्म में काफी कम समय के लिए काम करने के बावजूद अपना एक शानदार प्रभाव छोड़ा. एक्टर ने आगे कहा कि अक्षय सर बहुत अच्छे, दयालु, ईमानदार और समय के बिल्कुल पाबंद हैं. उनसे काफी कुछ सीखने को मिला, जो काफी शानदार था. मैंने भी उनके साथ काम करके ब्लास्ट कर दिया.

बता दें कि फिल्म 'अतरंगी रे' एक रोमैंटिक-कॉमेडी फिल्म है. जिसमें क्रॉस-कल्चर लव स्टोरी को दिखाया गया है. जहां सारा फिल्म में एक हिंदू लड़की होते हुए एक तरफ साजद अली यानी अक्षय कुमार के प्यार में पड़ जाती हैं. वहीं दूसरी तरफ तमिल लड़के विशू यानी धनुष भी उन्हें पसंद आने लगते हैं. ऐसे में वो दोनों को ही नहीं छोड़ना चाहती हैं. फिल्म के नाम के मुताबिक इसकी स्टोरी भी अतरंगी है. जिसका ट्रेलर देखकर लोग इसकी रिलीज़ के लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं. ये फिल्म 24 दिसंबर को डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी.

बिकिनी में पोज़ देते हुए Oops moment का शिकार हुई टीना दत्ता फिर...

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस टीना दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही में उन्होंने एक बोल्ड फोटोशूट शेयर किया है. जिसमें एक्ट्रेस का हॉट अंदाज़ देखने को मिल रहा है. लोग इस पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं.

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस टीना दत्ता अपनी एक्टिंग से घर-घर में पहचानी जाती हैं. लोग उनकी एक्टिंग को खूब पसंद करते हैं. एक्ट्रेस शो में तो बिल्कुल संस्कारी लुक में दिखती हैं. लेकिन असल ज़िंदगी में वो बेहद बोल्ड हैं. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. फैंस भी उनकी फोटोज़ पर जमकर रिएक्शन देते हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने एक लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है. जो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है. लोग उनके इस पोस्ट को खूब पसंद कर रहे हैं.

टीना दत्ता ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर की है. जिसमें एक्ट्रेस फ्लोरल प्रिंटेड ब्रालेट में नज़र आ रही हैं. इसके साथ उन्होंने शॉर्ट्स स्टाइल किया हुआ है. हालांकि, इसे उन्होंने नीचे सरकाया हुआ है. ऐसे में उनके अंडर गार्मेंट्स भी दिख रहे हैं. तस्वीरों में एक्ट्रेस हाथ ऊपर उठाए हुए हैं. जिसके चलते उनकी ब्रालेट थोड़ी ऊपर चढ़ गई है. ऐसे में पहली बार देखने पर आपको लगेगा कि एक्ट्रेस का शिकार हो गई. हालांकि, फिर आप समझ जाएंगे कि उन्होंने जान-बूझकर ऐसा पोज़ दिया है.

एक्ट्रेस टीना दत्ता ने अपने इस पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, अगर आप में हिम्मत है तो ही आप कर सकते हैं! आप सब के लिए जो पूछते हैं, क्यों, मैं पूछती हूं कि क्यों नहीं? कौन तय करेगा कि क्या सही है और क्या गलत, मेरे लिए मैं करूंगी!

गौरतलब है कि अक्सर लोग एक्ट्रेसेस की बोल्ड ड्रेसेस पर उन पर भद्दे कमेंट्स करते नज़र आते हैं. ऐसे में टीना ने अपनी इस पोस्ट के जरिए महिलाओं के कपड़ों पर पाबंदी लगाने या रोक-टोक करने वालों को करारा जवाब दिया है.

कैटरीना-विक्की की मेंहदी सेरेमनी की तस्वीर आई सामने, कपल मस्ती में ठुमके लगाता आया नज़र

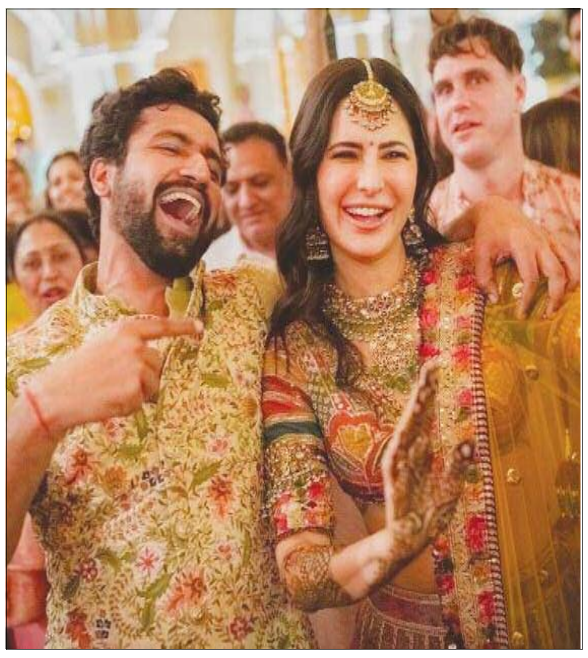

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ और विक्की कौशल बीते 09 दिसंबर को शादी के बंधन में बंध गए. शादी के बाद कपल ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर दोनों की खूबसूरत तस्वीरें शेयर की थी. जिस पर लोगों ने खूब प्यार लूटाया. जिसके बाद उन्होंने अपनी हल्दी सेरेमनी की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी. जिसमें दोनों के बीच काफी प्यार देखने को मिल रहा था. फिर अब विक्की और कैटरीना ने अपनी मेंहदी की फोटो साझा की है. जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है. लोगों को उनका ये पोस्ट काफी पसंद आ रहा है.

विक्की और कैटरीना की मेंहदी सेरेमनी में काफी कुछ फिल्मी अंदाज़ में दिखा. जहां एक तस्वीर में विक्की अपने घुटने पर बैठकर कैटरीना के सामने अपने प्यार का इज़हार करते हुए दिखाई दिए. वहीं, दूसरी फोटो में उनके फैमिली मेंबर्स ने उन्हें अपने कंधों पर उठाया हुआ था. इसके अलावा और दूसरी तस्वीरों में दोनों डांस पोज़ देते हुए नज़र आए. तस्वीरों में दोनों काफी खुश नज़र आ रहे हैं.

कपल ने अपनी इन खूबसूरत तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, 'मेंहदी ता सजदी जे नचे सारा तब्बार.' वहीं, बात की जाए दोनों के आउटफिट की तो कपल ने कलर कॉम्बिनेशन में ड्रेस स्टाइल किया हुआ था. दोनों एथनिक वियर में बेहतरीन लग रहे हैं.

दोनों के इस पोस्ट पर आम लोगों से लेकर कई बॉलीवुड सेलेब्स ने जमकर कमेंट्स किए. जहां कुछ लोगों ने लिखा, 'हाय', 'उफ्फ', 'हैपी गॉर्जस'. वहीं, कई लोगों ने इस पर हार्ट, फायर और स्माइली वाले इमोजी शेयर कर रिएक्शन दिया है. बॉलीवुड के दोनों स्टार के ये पोस्ट सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया है.

स्वास्थ्यवर्धक शरीफा

शरीफा एक फल होता है जो अंग्रेजी में कस्टर्ड एप्पल के नाम से जाना जाता है। ये फल स्वाद में मीठा होता है और स्वीट डिश बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम , फाइबर, मैग्निशियम पाया जाता है जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता

- कस्टर्ड एप्पल विटामिन बी-6 से अधिक होता है जो अस्थमा को ठीक करने में बहुत लाभकारी होता है।
- मैग्निशियम, पोटैशियम से भरपूर शरीफे को खाने से हार्ट प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाया जा सकता है। हार्ट पेशेंट्स को प्रतिदिन शरीफे का उपयोग करना चाहिए। फायदा मिलेगा।
- आंखों की रोशनी को तेज़ करने में शरीफा अहम रोल निभाता है। इसमें विटामिन ए, राइबोफ्लोविन, विटामिन सी मौजूद होता है जो बहुत फायदेमंद होता है।
- प्रेगनेंसी में होने वाली प्रॉब्लम्स को ठीक करने में शरीफा बहुत लाभदायक होता है। ये कॉपर और आयरन से अधिक होता है जो प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए काफी अच्छा होता है।
- कस्टर्ड एप्पल में फाइबर प्रचूर मात्रा में मौजूद होता है। ये कब्ज की समस्या से निजात दिलाने में फायदेमंद होता है।
- आयरन और कॉपर से भरपूर शरीफा शरीर में खून की कमी को दूर करता है।
- ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में शरीफा बहुत फायदेमंद होता है। इसके सेवन से डायबिटीज को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

लम्बे बालों के लिए ऐसे करें वैसलीन का उपयोग

प्रत्येक लड़की यह लड़की चाहती है कि उसके बहुत ही घने लंबे बाल हो। लंबे घने बाल आपकी सुंदरता में और चांर चांद लगा देते है। बहुत से लोग मार्केट में उपलब्ध कई तरह के प्रोडक्ट ले आते है। जो कि फायदे करने तो दूर उससे अधिक बालों को नुकसान पहुंचता है। इसीलिए आज हम आपको एक ऐसा उपाय बताने जा रहे है। जिसे अपनाकर कुछ ही दिनों में आपके बाल इतने लंबे हो जाएं कि उन्हें काटने की जरुरत पड़ जाएगी। आम तौर पर वैसलीन का इस्तेमाल ड्राई स्किन को पूरी तरह सॉफ्ट बनाना होता है, लेकिन इसके और भी फायदे है जिनके बारें में आप शायद नहीं जानते होगे।

सामग्री : वैसलीन, एलोवेरा जैल, विटामिन ई कैप्सूल

ऐसे बनाएं : एक बाउल में एक चम्मच वैसलीन लें और इसे डबल बॉयलर प्रोसेस से पिघला लें। जब ये पिघल जाएं तो इसमें एक चम्मच एलोवेरा जैल और 1 विटामिन ई कैप्सूल का ऑयल डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।

ऐसे करें यूज : आप ये देख लें कि आपके स्कैल्प साफ है। इसके बाद इस सिरम को अपने स्कैल्प पर अच्छी तरह से रगाकर कम से कम 4-5 मिनट मसाज कर छोड़ दें। रातभर लगा रहने के बाद दूसरे दिन किसी अच्छे शैंपू से बाल धो लें।

बच्चों का दिमाग कैसे बढ़ाएं

बच्चों से कराएं आसान योगासन

पश्चिमोत्तानासन : इस आसन के दौरान रीढ़ की हड्डी के साथ शरीर का पिछला भाग तन जाता है जिसके कारण इसका नाम पश्चिमोत्तानासन दिया गया है। यह स्वस्थ के लिए बहुत ही ज्यादा लाभदायक आसन है। यह विभिन्य प्रकार की बिमारियों को दूर करने में मदद करता है।

- सबसे पहले आप जमीन पर बैठ जाएं। अब आप दोनों पैरों को सामने फैलाएं।
- पीठ की पेशियों को ढीला छोड़ दें। सांस लेते हुए अपने हाथों को ऊपर लेकर जाएं।
- फिर सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुके।
- धीरे धीरे सांस लें, फिर धीरे धीरे सांस छोड़े। और अपने हिसाब से इस अभ्यास को धारण करें।
- धीरे धीरे इस की अवधि को बढ़ाते रहे। यह एक चक्र हुआ।

शशांकासन : यह तनाव और चिंता को दूर करने के लिए एक बेहतर आसन है। इससे पेट के अंगों की मसाज होती है और पाचन तंत्र बेहतर होता है।

- सबसे पहले जमीन पर दरी या चटाई बिछाकर बैठ जाएं।
- दाहिने पैर को मोड़कर पीछे की ओर यानि हिप्स के नीचे रखें।
- ठीक इसी तरह बाएं पैर को मोड़कर पीछे की ओर यानि बाएं हिप्स के नीचे रखें और बैठ जाएं।
- अब सांस लेते हुए दोनों हाथों को ऊपर की ओर करें।
- इसके बाद धीरे-धीरे सांस को बाहर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें।
- अब सांस लेते हुए सबसे पहले पेट व सीने को उठाए और हाथों को उठाते हुए पहली पोजीशन में जाएं।
- इसी तरह से इस क्रिया को 4 से 5 बार करें।

पवनमुक्तासन : यह आसन शरीर में मौजूद आवश्यकता से अधिक गैस को बाहर निकालने में सहायक है। यह आपके शरीर से हानिकारक गैस को बहार निकालने में भी मदद करता है और आपको बहुत सारी बिमारियों एवं परेशानियों से बचाता है।

- सबसे पहले आप पीठ के बल लेट जाएं। दोनों पैरों को फैलाएं और इनके बीच की दूरी को कम करें।
- अब दोनों पांव उठाएं घुटने मोड़ें। घुटनों को बांहों से घेर लें।
- सांस छोड़े, घुटनों को दबाते हुए छाती की ओर लाएं। सिर उठाएं तथा घुटनों को छाती के निकट लाएं जिससे ठोड़ी घुटनों को स्पर्श करने लगे।

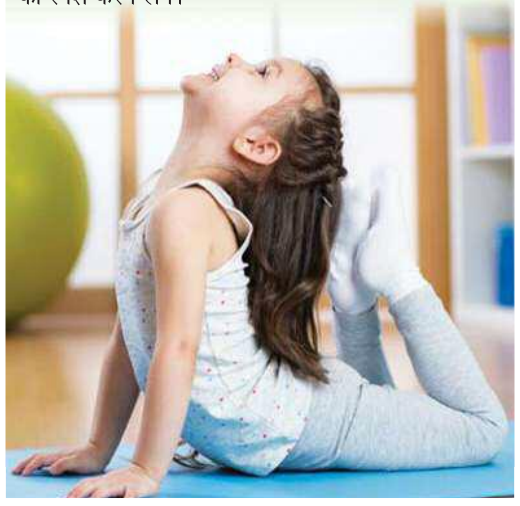

हेल्दी रहने के लिए पीएं चाकलेट मिल्क

चाकलेट एक ऐसी चीज है जो बच्चों की पसंदीदा तो होती है ही, साथ ही बडों को भी यह काफी अच्छी लगती है। अगर आपका नाम भी ऐसे लोगों की लिस्ट में शुमार है जो चाकलेट के दीवाने हैं तो आप आज से ही चाकलेट मिल्क पीना शुरू कर दीजिए। इससे आपको टेस्ट तो आएगा ही, साथ ही आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त होंगे। त ो चलिए जानते हैं चाकलेट मिल्क पीने के फायदों के बारे में–

- ★चॉकलेट मिल्क शरीर को मांसपेशियों के ऊतकों के पुनर्निर्माण और कुशलतापूर्वक ऊर्जा की आपूर्ति को फिर से भर देता है। दरअसल चॉकलेट मिल्क आपकी ऊर्जा को बढ़ाने रखने के लिए कार्बोहाइड्रेट प्रदान करता है।
- ★एक कप चॉकलेट मिल्क 9 ग्राम प्रोटीन और विटामिन ए के लिए आरडीए का 10 प्रतिशत प्रदान करता है। त्वचा स्वास्थ्य के लिए विटामिन ए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह त्वचा की झुर्रियों को रोकने में मदद करता है, और नई त्वचा कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ाता है, जो पुराने क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को बदल देता हैं।
- ★एक कप चॉकलेट मिल्क में विटामिन डी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन डी आपकी हड्डियों और दांतों को मजबूत करने के लिए जाना जाता है। विटामिन डी के सेवन से कार्डियोवस्कुलर और रेस्पिरेटरी बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

घर पर करें फ्रेश कोकोनट मिल्क हेयर स्पा

नारियल के दूध को गुणों से भरपूर माना जाता है। इसमें एंटीबैक्टीरियल प्रॉपटीज हैं। साथ ही इसमें विटामिन सी और ई होता है जिससे स्किन जवां नजर आती है। यही नहीं, इसमें विटामिन बी, खनिज, कॉपर, सेलेनियम, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस की प्रचुर मात्रा होती है, जो स्किन के अलावा बालों के लिए काफी फायदेमंद है। बालों को मजबूत और सिल्की बनाने के लिए आप नेचुरल कोकोनट मिल्क का इस्तेमाल कर सकते हैं–

हेयर स्पा

ताजे नारियल के दूध को अपने सिर और बालों के सिरों में मसाज करते हुए अप्लाई करें। इसके बाद बालों पर गर्म पानी का तौलिया लपेट लें। पांच मिनट बाद हटा दें, इसके बाद तीन से चार बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

कंडीशनर की तरह करें इस्तेमाल

आप नारियल के दूध का इस्तेमाल कंडीशनर की तरह भी कर सकते हैं। शैंपू करने के बाद इसे हाथों में लेकर बालों की मसाज करें। 2-3 मिनट छोड़कर ठंडे पानी से धो लें।

ऐसे निकालें कोकोनट मिल्क

- मिक्सर जार में कसा हुआ नारियल और एक कप पानी डालें।
- अब नारियल को मिक्सर में बारीक पीस लें।
- अब एक साफ मलमल का कपड़ा बर्तन पर लगाएं। कपड़े में पिसा नारियल डालें।
- फिर कपड़े को कसकर बांधें और नारियल को बर्तन में निचोड़ लें।
- स तरह गाढ़ा कोकोनट मिल्क तैयार है, जिसे कोकोनट मिल्क का फर्स्ट एक्सट्रैक्ट भी कहते हैं।
- अब कपड़े में बचे हुए नारियल को फिर एक कप पानी के साथ मिक्सर में पीस लें।
- इसे फिर से कपड़े में डालकर दूसरे बर्तन में छान लें। यह पतला कोकोनट मिल्क है। इसे सेकेंड एक्सट्रैक्ट कहते हैं।
- इससे भी पतला कोकोनट मिल्क तैयार करने के लिए, कपड़े में बचे हुए नारियल को फिर से एक कप पानी के साथ ग्राइंडर में ग्राइंड करें।
- अब इसे कपड़े में डालकर अलग बर्तन में छानें। यह थर्ड एक्सट्रैक्ट और तीसरा कोकोनट मिल्क तैयार है।
- इस तरह तैयार है कुकिंग में इस्तेमाल करने के लिए ताजा कोकोनट मिल्क।

तेज दिमाग के लिए खाएं ये चीजें

एक शोध में यह पता लगाया गया है कि ज्यादा पानी का सेवन करने से आपकी दिमागी क्षमता बढ़ती है। कुछ खाने की चीजें जिनसे दिमाग तेज होगा।

अजवाइन की पत्तियां

आपको बता दें कि इसकी पत्तियों में एंटी ऑक्सीडेंट्स मौजूद होता हैं। जिससे हरमाड़ा

दिमाग तेज हो सकता है। इस कारण आपको इसका सेवन करना चाहिए जिससे आपका दिमाग तेज हो सके।

काली मिर्च

काली मिर्ची के अंदर पेपरिन मौजूद होता है , जो कि आपके इंडोरफिन्स के लेवल को बढ़ा सकता है। आप काली मिर्च के सेवन से तेज दिमाग पा सकते है।

दालचीनी

दालचीनी एक ब्यूटी प्रोडक्ट जैसी ही है। परंतु दिमाग तेज करने के लिए दालचीनी में शहद मिलाएं और इसका सेवन करें।

जायफल

अगर आप जायफल का सेवन करेंगे तो आपका दिमाग भी तेज होने लगेगा। आप इसका सेवन दूध में मिलाकर जार सकते है। यह हमेशा सेवन करने से आपका दिमाग जल्द ही तेज़ होने लगेगा।

सेहत के लिए फायदेमंद है पीनट बटर

वेट लॉस : पीनट बटर में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, यही वजह है कि इसका एक चम्मच खाने से पेट भरा रहता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसके एक सर्विंग में 2.6 ग्राम फाइबर और 7 से 8 ग्राम प्रोटीन होता है। रोस्टेड ब्रेड पर पीनट बटर खाना लोग काफी पसंद करते हैं। ये कैलोरी, वसा और सोडियम में भी कम होता है। ये वजन कम करने में भी मदद कर सकता है।

कैंसर के रिस्क : कुछ अध्ययन के मुताबिक पीनट बटर को विशेष रूप से पेट के कैंसर के साथ जोड़ कर देखा जाता है। इसमें कई यौगिक होते हैं, जो शरीर से मुक्त कणों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यहां तक कि मूंगफली में मौजूद विटामिन ई, कोलन, फेफडे, लिवर और अन्य कैंसर से बचाने के लिए जाना जाता है।

स्वस्थ दिल : पीनट बटर पी-कौमरिक एसिड से भरपूर होता है, जो दिल से जुड़ी बीमारियों में मदद करता है। इसके अलावा, इसमें असंतृप्त वसा भी होता है. जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। तो ये कहना सुरक्षित है कि पीनट बटर खाने से कार्डियोवैस्कुलर और कोरोनरी हृदय रोग का खतरा कम हो जाएगा। पीनच बटर में आयरन और कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है, जो हेल्दी और स्ट्रॉन्ग बोन्स को प्रमोट करता है।

क्या आप मसालेदार खाने के शौकीन हैं ?

भारत के लोग बिना मसालों वाला खाना खाने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। इसमें कोई शक नहीं है की मसालों से आपको बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ होते हैं। लेकिन अत्यधिक खाने से आपको कई गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं। इससे आपको पेट के अल्सर सहित अन्य पाचन समस्याएं भी हो सकती हैं।

मसालेदार भोजन और पेट का अल्सर

जब आप मिर्ची जैसे मसाला खाते हैं, तो इससे आपकी चीभ बहुत जलती है, जाहिर है इससे पेट में जलन होगी। मिर्च में कैप्सैसिन तत्व मौजूद होता है, जिसके कई सारे स्वास्थ्य लाभ होते हैं। सरसों और सहजन जैसे मसाले ऊतक को अत्यधिक नुकसान पहुंचाते हैं।

मसालेदार भोजन के जोखिम

मसालेदार भोजन कुछ लोगों को दस्त और पेट दर्द की गंभीर समस्या भी हो सकती है। क्योंकि मसाले एक प्राकृतिक अड़चन की तरह काम करते हैं, जो आंत्र आंदोलनों को बहुत प्रभावित करता है क्योंकि यह पाचन तंत्र से गुजरता है। संवेदनशील पेट वाले लोगों के लिए प्रभाव बहुत गंभीर हो सकते हैं, हालांकि कुछ लोगों के लिए कैप्सैसिन एक लैक्सटिव के रूप में कार्य करता है। मिर्च में पाए जाने वाले तत्व कैप्सैसिन को ब्लड थिनर के रूप में भी जाना जाता है।

ध्यान दें

इसमें कोई शक नहीं है कि लोग स्पाइसी फूड को पूरी तरह छोड़ना नहीं चाहते हैं। लेकिन आपको अपने खाने में अत्यधिक बदलाव करते रहना चाहिए। उदहारण के लिए लगातार स्पाइस फूड्स कतई ना खाएं। अगर आपको लगता है कि इनका सेवन बहुत अधिक हो रहा है, तो कुछ समय इनसे ब्रेक लें और कुछ हल्की-फुल्की चीजें जरूर खाएं।

दिमाग की क्षमता बढ़ाना चाहते हैं?

आपका दिमाग ही तो आपके पूरे शरीर को काम करने के लिए प्रेरित करता है। अगर आपका दिमाग ही कमजोर हो तो आपकी पूरी कार्यप्रणाली की धीमी पड जाती है। हम आपको ऐसे कुछ अनोखे तरीके बताते हैं, जिसकी मदद से आपका दिमाग पहले से अधिक तेज काम करना शुरू कर देगा-
जो लोग रचनात्मक होते हैं, उनका दुनिया को देखने का नजरिया न सिर्फ अलग होता है। दरअसल, जब आप कुछ पढते या रचनात्मक लिखते हैं तो यह एक स्ट्रेस बस्टर के रूप में काम करता है। अपने दिमाग को बेहतर बनाना चाहते हैं तो अपने कम प्रभावी हाथ का प्रयोग करना एक अच्छा आईडिया हो सकता है। अगर आप दाहिने हाथ से लिखते हैं तो अपने बाएं हाथ का उपयोग करें। इससे आपके मस्तिष्क के दोनों हिस्से सक्रिय हो जाएंगे जो बेहतर मेमोरी कार्य को ट्रिगर करते है।

आज की रेसिपी

चमन मेथी मलाई

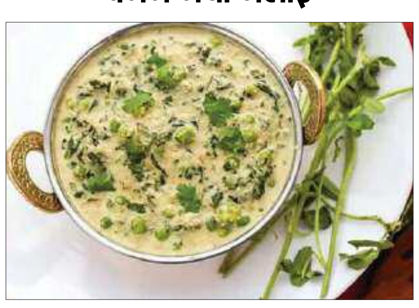

सामग्री :

- 50 gms काजू, 50 ग्राम मगज (कस्तूरी के बीज), 2 प्याज, 5 हरी मिर्च, 10 ग्राम अदरक, 10 ग्राम लहसुन, 2 टी स्पून कसूरी मेथी सूखी, 100 ml (मिली.) क्रीम, 200 ग्राम पनीर, 30 ग्राम मक्खन, स्वादानुसार नमक, 1 टी स्पून चीनी, एक चुटकी हल्दी, एक चुटकी हरी इलाइची पाउडर एक चुटकी सफेद मिर्च पाउडर

विधि :

- एक हांडी लें, काजू, मगज और कटे हुए प्याज को 10-15 मिनट तक उबालें। उबलने के बाद इसका पेस्ट बना लें और इसे छान लें.
- एक पैन लें, उसमें मक्खन डालें, अदरक लहसुन का पेस्ट, सुगंध आने तक कुछ मिनट इसे भूनें. फिर सूखी कसूरी मेथी की पत्तियां डालें, इसे एक मिनट के लिए भूनें, कटी हुई हरी मिर्च डालें, अब काजू मगज पेस्ट डालें. इसे और 10-15 मिनट तक पकाएं.
- अब इसमें इच्छानुसार पानी या दूध डालें.
- अब सीजनिंग (नमक, चीनी, सफेद मिर्च, इलाची और हल्दी) डालें, इसे और 1-2 मिनट तक पकाएं.
- पनीर क्यूब्स और क्रीम जोड़ें.
- इस सब्जी को हरी मिर्च और जूलियन्स अदरक के साथ गार्निश करें.
- बटर नान के साथ गर्मागर्म सर्व करें.

मालदीव में हनीमून करने का प्लान!

सफेद रेत और नीले पानी से घिरा मालदीव छुट्टियां बीताने से लेकर हनीमून तक के लिए बेहतरीन जगह है। अगर आप हनीमून के लिए आउट ऑफ इंडिया जाना चाहते हैं, तो आप मालदीव जा सकते हैं। ये जगह बेहद ही खूबसूरत है। आप हर तरह से इस जगह को एन्जॉय कर सकते हैं। हालांकि सिर्फ बैठ कर ढलते और उगते सूरज को देखने के अलावा मालदीव में करने के लिए बहुत कुछ है। अगर आप भी मालदीव जाने का प्लान कर रहे हैं। तो कुछ ऐसी चीजें हैं जो आपको मालदीव में निश्चित रूप से करनी चाहिए। आइए जानते हैं।

मालदीव में स्नोर्कलिंग : साफ पानी और पानी के भीतर छोटी मछली को पास से देखने का मौका आप कैसे गवा सकते हैं। ऐसे में आप मालदीव में स्नोकेलिंग किए बिना बिल्कुल वापस ना लौटें। अपने पार्टनर के साथ स्नोर्कलिंग कर, पानी के नीचे के जीवन को देखने का आनंद आ जाएगा। ये एक्सपीरियंस आपको जीवन भर याद रहेगा।

लोकल द्वीप पर जाएं : कुछ लोग सोचते हैं कि स्नोर्कलिंग और स्कूबा डाइविंग जैसी गतिविधियों के अलावा कुछ नहीं है। हालांकि ऐसा नहीं है। लोकल बीच पर जाने के लिए बोट या फैरी की मदद से आइलैंड पर जा सकते हैं। ऐसा करने से आपको संस्कृति और कई तरह के कैफे और समुद्र तटों का पता चलेगा। साथ ही ऐसा करने से आप अपने पार्टनर के साथ अच्छा समय बिता सकते हैं।

स्पा : मालदीव में लक्जरी स्पा लेने से आप नहीं चूक सकते। यहां का स्पा ट्रीटमेंट बिल्कुल अलग होता है। स्पा के दौरान खूबसूरत नजारे और साफ पानी देखने को मिलेगा। अगर आप तन और मन को तरोताजा करना चाहते हैं, तो यहां स्पा का मजा जरूर लें। मालदीव में कुछ ऐसे रिसॉर्ट हैं, जहां स्पा के लिए अलग से रोमांटिक स्पेस हैं।

फिशिंग : मालदीव में करने के लिए मछली पकड़ना एक अच्छी एक्टिविटी है। आप अपने पार्टनर के साथ फिशिंग का आनंद उठा सकते हैं। यहां अधिकतर रिसॉर्ट या होटल अपने गेस्ट के लिए फिशिंग की व्यवस्थ करते हैं। अगर आप फिशिंग कर रहे हैं, तो सूर्यास्त से पहले यहां जाएं और फिशिंग के साथ खूबसूरत नजारों का लुफ्त उठाएं।

रोमांटिक डिनर : अपने पार्टनर के साथ हनीमून को यादगार बनाने के लिए आप समुद्र तट पर रोमांटिक डिनर की व्यवस्था कर सकते हैं। ये एक बेहतरीन और यादगार अनुभव होगा। समुद्र किनारे खूबसूरत कैंडल और मालदीव का लोकल खाना।

रोहित से अनबन नहीं, टेस्ट सीरीज में कमी खलेगी : विराट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने सीमित ओवरों के प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये रोहित शर्मा से मतभेद की खबरों से इंकार किया है। विराट ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उन्हें रोहित की कमी खलेगी। रोहित मासपेशियों में खिंचाव के कारण टेस्ट सीरीज सीरीज से बाहर हो गये हैं। इसके बाद विराट ने भी एकदिवसीय सीरीज से अलग होने की घोषणा कर दी थी। जिसके बाद इन दोनो के बीच विवाद की खबरें आयीं थीं। वहीं अब इस मामले में विराट ने रोहित से किसी भी प्रकार के विवाद से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जो भी अटकलें लगायी जा रही हैं, वह सभी आधारहीन हैं। उन्होंने कहा कि टेस्ट सीरीज में रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ी की कमी महसूस होना तय है।

रोहित की कमी के सवाल पर विराट ने कहा कि वह अनुभवी खिलाड़ी हैं। उनकी कमी खलेगी। साथ ही कहा, 'मेरे और रोहित के बीच कोई अनबन नहीं है।' कोहली ने कहा, 'मैं इस प्रकार की बातों के सामने आने के कारणों को समझ सकता हूं। बीसीसीआई ने जो भी फैसला लिया वह ठीक है। मेरे और रोहित के बीच कोई समस्या नहीं है। मैं पिछले दो साल से स्पष्टीकरण देते हुए थक गया हूं। मेरा कोई भी काम या फैसला टीम को नीचा दिखाने या नुकसान के लिए नहीं होगा।' वहीं इससे पहले रोहित ने भी एक साक्षात्कार में विराट की काफी तारीफ करते हुए कहा था कि उनके कारण ही टीम यहां तक पहुंची है। रोहित ने कहा था कि उन्होंने विराट की कप्तानी में काफी क्रिकेट खेली है और आगे भी इसका आनंद उठाते रहेंगे।

डिविलियर्स को गेंदबाजी में लगता था डर : वहाब रियाज

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज वहाब रियाज ने कहा है कि भारत के रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा दक्षिण अफ्रीका के ए बी डिविलियर्स जैसे बल्लेबाजों को गेंदबाजी करने में उन्हें परेशानी आती थी। उन्होंने कहा, ह्यरोहित और विराट और बाबर आजम जैसे कई ऐसे खिलाड़ी है जिनके खिलाफ गेंदबाजी करना मुश्किल होता है पर डिविलियर्स को गेंदबाजी करने में उन्हें डर भी लगता था। वहाब ने कहा कि डिविलियर्स हमेशा जानता है कि आगे क्या हो रहा है। वह खेल को अच्छी तरह से पढ़ता है और हमेशा मेरे खिलाफ अच्छा खेलता है। वहाब ने वर्तमान समय के दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों को लेकर भी बताया है। रियाज ने कहा है कि अभी उनके ही देश के शाहीन अफरीदी और हसन अली शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं जबकि उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और भारत के जसप्रीत बुमराह भी काफी अच्छे गेंदबाज हैं।

रियाज ने कहा, इन गेंदबाजों के पास बहुत क्षमता है। वे खेल को पढ़ते हैं और अपनी योजनाओं को वास्तव में अच्छी तरह से क्रियान्वित करते हैं।

रोहित और विराट के एकसाथ नहीं खेलने से होगा नुकसान: कीर्ति आजाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे में जहां विराट कोहली एकदिवसीय सीरीज में नहीं रहेंगे। वहीं रोहित शर्मा चोटिल होने के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये हैं। दोनो ही शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों के एकसाथ नहीं खेलने से भारतीय टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ना तय है। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने भी कहा है कि अगर ये दोनों खिलाड़ी साथ में नहीं खेलते हैं तो भारतीय टीम को नुकसान होगा। आजाद ने कहा अगर रोहित और विराट साथ में नहीं खेल रहे हैं तो इसका खामियाजा भारतीय टीम को उठाना पड़ेगा। साथ ही कहा कि सबसे पहले इनको ही परेशानी होगी क्योंकि एक खिलाड़ी अपनी कप्तानी में दूसरे को हटा देगा। कोई भी ऐसा नहीं है, जिसे न हटाया जा सके। कई महान खिलाड़ी आए और चले गए। सुनील गावस्कर, कपिल देव, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली। इसलिए अगर ये दोनों एक-दूसरे की कप्तानी में नहीं खेलेंगे तो सबसे पहले अपने को मुश्किलों में डालेंगे।

आजाद ने साथ ही कहा रोहित अस्वस्थ हैं और कोहली एकदिवसीय सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं। आपके दो सबसे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी एक न एक सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह टीम के लिए चिंता की बात है। वे भारतीय बल्लेबाजी के मुख्य आधार हैं और बोर्ड को पता करना चाहिए कि समस्या कहां है यदि ऐसा कुछ है तो उसे दूर करें। आजाद ने पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के ट्वीट पर भी सवाल उठाया। अजहरुद्दीन ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि इस प्रकार इन दोनो खिलाड़ियों के बाहर होने से मतभेदों को सही माना जाएगा। आजाद ने कहा कि वह अजहरुद्दीन के ट्वीट से हैरान हैं क्योंकि पूर्व भारतीय कप्तान हैदराबाद क्रिकेट संघ के अध्यक्ष होने के कारण बीसीसीआई का ही हिस्सा हैं।

संक्षिप्त समाचार

खेलों में भाग लेकर शक्तिशाली बने लड़कियां: बबीता फौगाट

चरखी दादरी, एजेंसी। महिला पहलवान बबीता फौगाट ने कहा है कि लड़कियों को छुई मुई बनकर नहीं बल्कि धाकड़ बनकर रहना चाहिए। साथ ही कहा कि धाकड़ का मतलब ताकतवर बनना है। बबीता ने कहा कि लड़कियों को खेलों में भाग लेना चाहिये। बबीता ने गीता महोत्सव के कार्यक्रम में कहा कि गीता का प्रतिदिन एक श्लोक सिखाकर हम अपने बच्चों को संस्कारवान बना सकते हैं। साथ ही कहा कि बच्चों में संस्कार नहीं होंगे तो हमारी युवा पीढ़ी पथभ्रष्ट हो जाएगी। बबीता ने कहा कि बच्चों को हमारे गौरवशाली इतिहास, धार्मिक संस्कार, पूजा-पाठ आदि का ज्ञान जरुर होना चाहिए। इस कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों ने श्री गणेश वंदना से की। इसके बाद चंडीगढ़ से आए कलाकारों व उनकी टीम ने हरियाणवी फाग नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति पेश दी। वहीं बच्चों ने श्री कृष्णलीला व लोक संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों से दर्शकों का मन मोह लिया। इसके साथ ही कार्यक्रम में शामिल अन्य कलाकारों ने महाभारत पर आधारित लोकगीत सुनाए।

बीजिंग शीतकालीन खेलों में शामिल नहीं होंगे ऑस्ट्रियाई राजनयिक

बर्लिन, एजेंसी। ऑस्ट्रिया ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के खतरे और कड़े प्रतिबंधों को देखते हुए उसके राजनयिक चीन में होने वाले बीजिंग शीतकालीन खेलों में शामिल होंगे। चांसलर कार्ल नेहामेर ने कहा है कि चीन न जाने का निर्णय कोरोना वायरस पाबंदियों के कारण लिया गया है। इसे राजनयिक विरोध बताना ठीक नहीं होगा। वहीं इससे पहले अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय यूनियन के कई अन्य देशों के विदेश मंत्रियों ने स्पष्ट कर दिया था कि चीन के खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड को देखते हुए वह शीतकालीन खेलों का राजनयिक बहिष्कार करेंगे। वहीं इसपर नेहामेर ने कहा कि वह हम खेलों के राजनीतिकरण के खिलाफ हैं और यूरोपीय यूनियन के संपर्क में हैं। ऑस्ट्रिया से कोई भी शीर्ष राजनेता ओलंपिक खेलों के लिए चीन नहीं जाएगा पर यह कोई राजनयिक विरोध या बहिष्कार नहीं है। चीन में कड़ी कोविड पाबंदियां को देखते हुए ही उन्होंने यह फैसला लिया है। नेहामेर ने कहा कि कोविड महामारी के कारण राजनेता चीन में अपने देश के खिलाड़ियों से निजी तौर पर नहीं मिल सकते। इसलिए राजनेताओं या राजनयिक का चीन जाकर वहां अपने खिलाड़ियों से वीडियो कांफ्रेंस में बात करने का कोई मतलब नहीं है।

विजय हजारे ट्रॉफी : हार के बाद भी नॉकआउट चरण में पहुंची तमिलनाडु और कर्नाटक

मुम्बई, एजेंसी। तमिलनाडु , कर्नाटक, सौराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की टीमें विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंच गयी हैं। तमिलनाडु , कर्नाटक को ग्रुप बी के अपने अंतिम लीग मैच में बड़ौदा और बंगाल के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा पर इसके बाद भी ये दोनो ही टीमें बेहतर रन औसत के कारण नॉकआउट चरण में पहुंच गयी। तमिलनाडु को बड़ौदा ने 41 रन से हराया जबकि कर्नाटक को बंगाल के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा। वहीं गत विजेता मुंबई इस बार सबसे पीछे हैं, उसे पुडुचेरी के खिलाफ 18 रन से हार का सामना करना पड़ा। इससे वह छह टीमों के ग्रुप में केवल एक जीत से चार अंक के साथ ही अंतिम स्थान पर रही। वहीं तमिलनाडु (1.052), कर्नाटक (0.789), बंगाल (-0.235) और पुडुचेरी (-1.360) अंकों के साथ पांच मैचों में तीन-तीन जीत और दो-दो हार के साथ ही 12 अंक पर रहे। तमिलनाडु और कर्नाटक ने बेहतर नेट रन औसत के साथ नॉकआउट में प्रवेश किया। सौराष्ट्र ने दिल्ली को चार विकेट से हराकर ग्रुप सी में लगातार पांचवीं जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। वहीं उत्तर प्रदेश ने भी हरियाणा को 78 रन से हराकर नॉकआउट में जगह बनायी।

जर्मनी में बुंदेसलगा लीग फुटबॉल मुकाबले में गोल का प्रयास करते हुए बेयर्न के रॉबर्ट।

श्रीलंकाई क्रिकेट को निखारने माहेला को बनाया गया सलाहकार कोच

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने दिग्गज बल्लेबाज रहे माहेला जयवर्धने को अहम जिम्मेदारी देते हुए पुरुष व महिला, अंडर-19, ए टीम का सलाहकार कोच बनाया है। तकनीकी सलाहकार समिति के परामर्श से श्रीलंकाई क्रिकेट की कार्यकारी समिति द्वारा नियुक्त किए जाने के बाद जयवर्धने एक जनवरी 2022 से ही यह पद संभालेंगे। वह एक साल तक इस पद पर बने रहेंगे। श्रीलंका क्रिकेट के अनुसार जयवर्धने राष्ट्रीय टीमों की क्रिकेट से जुड़ी सभी चीजों के प्रभारी होंगे। वह उच्च प्रदर्शन केंद्र में खिलाड़ियों और टीम प्रबंधनों को रणनीतिक कौशल प्रदान करेंगे। वह अगले साल विश्व कप को ध्यान में रखते हुए श्रीलंका की अंडर-19 क्रिकेट टीम के साथ भी काम करेंगे। जयवर्धने ने यह पद मिलने के बाद कहा कि श्रीलंका में क्रिकेट की कई प्रतिभाएं हैं पर उन्हें पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसे में उनके पास इन खिलाड़ियों को निखारने का अच्छा अवसर है। उनके पास इससे अंडर-19 और ए टीम सहित विभिन्न टीमों में राष्ट्रीय क्रिकेटरों और कोचों के साथ काम करने का अच्छा अवसर आया है। साथ ही कहा कि मैं श्रीलंकाई क्रिकेट को लेकर काफी भावुक हूं और मानता हूं कि हम एक समन्वित और केंद्रित टीम प्रयास के साथ सभी आयु समूहों में काम करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाकर भविष्य में अच्छी सफलताएं हासिल कर सकते हैं। इसी को देखते हुए ही हम भविष्य की रणनीति बनाएंगे। वहीं श्रीलंकाई बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एशले डी सिल्वा ने कहा कि हम बेहद खुश हैं कि माहेला राष्ट्रीय टीम के साथ अहम भूमिका निभाना चाहते हैं।

टाइम ने सिमोन को साल 2021 की सर्वश्रेष्ठ एथलीट करार दिया

न्यूयार्क, एजेंसी। चार बार की ओलंपिक पदक विजेता मेरिकी जिम्नास्ट सिमोन बिलेस को प्रतिष्ठित टाइम पत्रिका ने साल 2021 की सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट करार दिया है। सिमोन इस साल कई कारणों से चर्चा में रही। यह खिलाड़ी मानसिक सेहत का हवाला देते हुए टोक्यो ओलंपिक में चार स्पर्धाओं के फाइनल से हट गयीं थी। वह मानसिक रुप से एक बिमारी से पीड़ित होने के बाद भी ऑल राउंड टीम स्पर्धा में रजत और बैलेंस बीम में कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं थीं।

वहीं टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने जिम्नास्टिक टीम के पूर्व डॉक्टर लैरी नासार के खिलाफ यौन उत्पीड़न के भी आरोप लगाये थे। इस मामले में सिमोन ने अमेरिकी सीनेट के सामने गवाही दी थी। इस दौरान इस खिलाड़ी ने इस प्रकार के अपराधों को रोकने में प्रशासन की नाकामी पर भी सवाल उठाये थे। सिमोन इस दौरान कोर्ट रूम में रो पड़ी थीं।

वहीं सीनेट की टीम ने भी सिमोन के इन आरोपों के बाद नासर के मामले में एफबीआई की जांच में कमी को स्वीकार किया है। इस मामले में वह एफबीआई की भूमिका की भी जांच कर रही है। गौरतलब है कि डॉक्टर नासर पर 300 लड़कियों के यौन शोषण के आरोप हैं। बाइस्प ने एफबीआई की जांच पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस गंभीर मामले में एफबीआई ने अपना काम ठीक से नहीं किया।

राहुल बन सकते हैं दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम के उप-कप्तान

मुम्बई, एजेंसी। बल्लेबाज लोकेश राहुल दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान बनाये जा सकते हैं। इससे पहले रोहित शर्मा को इस दौरे के लिए कप्तान बनाया गया था पर वह चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। ऐसे में राहुल उपकप्तानी की दौड़ में सबसे आगे हैं। हाल ही में उन्हें एकदिवसीय टीम का भी उपकप्तान बनाया गया था। वहीं पिछले काफी समय से उपकप्तान रहे अजिंक्य रहाणे को न्यूजीलैंड सीरीज के बाद खराब फार्म के कारण पद से हटा दिया गया था। रहाणे को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना भी तय नहीं माना जा रहा है। उपकप्तान के लिए स्पिनर आर अश्विन का नाम भी दौड़ में हैं पर उन्हें विदेशी धरती पर खेलने का कम अनुभव है जो उनके आड़े आ सकता है। इसके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक अच्छा विकल्प हो सकते थे पर टीम की कार्यभार प्रबंधन योजनाओं के कारण उन्हें बीच में आराम देना भी जरुरी है, जिससे उन्हें वह पद मिलना कठिन है। यनकर्ता और टीम प्रबंधन बदलाव की प्रक्रिया शुरू करना चाहते हैं। विचार युवा नेतृत्व को विकसित करना है जो भविष्य में टीम की कमान संभाल सके। इसके लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चयन समिति की योजनाओं में शामिल हैं।

भारतीय टीम गुरुवार को मुंबई से दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होगी। खिलाड़ियों के लिए राहत की बात यह है कि उन्हें कड़े क्वारंटाइन नहीं रहना होगा। कोविड संक्रमण से बचाने के लिए दोनो ही टीमों को इस सीरीज में एक ऐसे होटल में रखा जाएगा जहां कोई और मेहमान न हो।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट के लिए हेजलवुड की जगह पर रिचर्डसन को शामिल किया

एडिलेड ओवल, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के साथ गुरुवार से यहां होने वाले एशेज सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए चोटिल गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह पर झाय रिचर्डसन को टीम में शामिल किया है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि रिचर्डसन युवा खिलाड़ी होने के साथ ही एक अच्छे तेज गेंदबाज भी हैं। वह तेज गेंदबाजी करते हैं।

25 साल के इस गेंदबाज के करियर की बात करें तो रिचर्डसन ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के लिए 13 वनडे मैच खेले हैं। इन 13 मैचों में उन्होंने 24 विकेट भी लिए हैं। वहीं टी-20 में रिचर्डसन ने अब तक 14 मैचों में 13 विकेट लिए हैं। इस खिलाड़ी ने साल 2019 में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। दो टेस्ट मैचों में उनके नाम 6 विकेट दर्ज हैं। वहीं मांसपेशियों में खिंचाव के कारण हेजलवुड इस मैच से बाहर हो गए है। इंग्लैंड की दूसरी पारी में हेजलवुड ने केवल 14 ओवर फेंके थे। ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस मैच में हेजलवुड की कमी खलेगी क्योंकि दूसरा टेस्ट दिन-रात्रि का है। वहीं इस गेंदबाज ने अब तक दिन-रात्रि के सात टेस्ट में 32 विकेट लिए हैं। उनसे अधिक विकेट दिन-रात्रि प्रारुप में केवल मिचेल स्टार्क के नाम हैं।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है: डेविड वॉर्नर, मार्कस हैरिस, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और झाय रिचर्डसन।

खेल से बड़ा कोई खिलाड़ी नहीं: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने टीम इंडिया में जारी विवाद को लेकर कहा है कि कि खेल से बड़ा कोई खिलाड़ी नहीं होता। इसलिए सभी को नियमों का पालन करना चाहिये। माना जा रहा है कि खेलमंत्री की यह टिप्पणी टेस्ट कप्तान विराट कोहली और सीमित ओवरों के कप्तान रोहित शर्मा के बीच मतभेदों को लेकर आई है। खेल को सबसे ऊपर बताकर ठाकुर ने इन दोनो ही कप्तानों को एक प्रकार से चेतावनी दी है। इससे पहले विराट बुलाये जाने के बाद भी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को लिखा है कि वह एकदिवसीय सीरीज से हट रहे हैं। इससे पहले अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल होने के कारण रोहित टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये थे। ऐसे में सभी को लग रहा है कि ये दोनो ही एकदूसरे की कप्तानी में नहीं खेलना चाहते हैं। वहीं ठाकुर ने कहा कि किस खेल के किन कप्तानों के बीच क्या चल रहा है, इसपर में कुछ नहीं कह सकता। यह संबंधित खेल संघों का दायित्व है। अच्छा यही होगा कि वही इस बारे में जानकारी दें।

वहीं दूसरी ओर बीसीसीआई भी टीम में जारी तनाव से खबरों से परेशान है। उसने कोहली को मनाने के प्रयास किये पर नाकाम रही है। विराट ने टी20 की कप्तानी छोड़ दी थी पर वह टेस्ट ओर एकदिवसीय में कप्तान बने रहना चाहते थे। वहीं जब बीसीसीआई ने उन्हें एकदिवसीय की कप्तानी से हटाया तो वह नाराज हो गये। माना जा रहा है कि इसी कारण वह अभ्यास सत्र में भी शामिल नहीं हुए और एकदिवसीय सीरीज से हटने का आवेदन दे दिया। इसे लेकर भारीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने भी नाराजगी व्यक्त की है। अजहर ने कहा कि ब्रेक लेने पर किसी को भी आपत्ति नहीं है पर जिस प्रकार से यह लिया जा रहा है उसकी टाइमिंग ठीक नहीं है। इससे यह संदेश जाता है कि टीम में मतभेद हैं। इससे टीम को नुकसान ही होगा।

खेल मंत्रालय ने खिलाड़ियों के प्रस्तावों को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय ने आगामी एशियाई खेलों की तैयारी के लिये विदेश में अभ्यास और अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने के चार नौकायन खिलाड़ियों के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार 49 इआर विशेषज्ञ वरुण ठक्कर और केसी गणपति के लिए (एक करोड़ 34 लाख रुपए), लेसर रेडियल विशेषज्ञ नेत्रा कुमानन के लिए (90.58 लाख रुपए) और लेसर स्टैंडर्ड विशेषज्ञ विष्णु सरवनन के लिए (51.08 लाख रुपए) स्वीकृत किये गये हैं। यह राशि इन खिलाड़ियों की यात्रा, रहने, कोच के प्रवेश शुल्क, कोच नाव चार्टर और कोच के वेतन पर खर्च होगी। इसके अलावा आपात आधार पर कुछ और प्रस्तावों को भी सहमति दी है। इनमें ओलंपिक भाला फेंक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा का अमेरिका में आफ सीजन अभ्यास का प्रस्ताव, महिला विश्व बैडमिंटन चैम्पियन पी वी सिंधु का स्पेन में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप में उनके फिटनेस ट्रेनर की सेवायें लेने का प्रस्ताव भी शामिल है। एमओसी ने आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में टूर्नामेंटों में भाग ले रहे बैडमिंटन खिलाड़ियों की सहायता को भी मंजूरी दे दी। शिखा गौतम, अश्विनी भट, प्रियांशु, विष्णु वर्धन, कृष्णा प्रसाद, ईशान, साइ प्रतीक, पी गायत्री, त्रिशा, तनीषा, रुतुपर्णा और सामिया फारूकी के अभ्यास दौरे पर करीब 45 लाख रुपए खर्च आएगा। उसे भी मंजूरी दी गयी है।